

2841

ASHA ARCHIVES

ॐ नमः श्री चक्र सम्व नाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्री यद्म नृ ह्य श्व नाय ॥ नमः
स्का ल्ब नन्दि रु स्य वृ द्म न्द ख न्द गृ ह न वी ण ण रु काल का म नू ण
गी रु स्य न्दि च क्र वा दं यु रि ति ग ग ली त स्मि का का ग ल स म् अ ष्ठि
ल न्द वृ न्दा रु न स लिल सा ग न ना लु व वा ह स्म दू द्र य या न नः
व गुरु ग व न य द्म नृ ह्य श्व न स्य जू यि च या सा सी सा न च क्र विः
न च ल य गि म ली स न्नि आ ग ल रु ना सा धि य स्य य सा दा दि ण गुरुः
नि ऊ रू वी स्वा मि ना नि य य श्च न सी म ना मा द य नि स ना मा द य
नि सूर वी क ल्य ना जाल मू र्क कू र्पी न स्य धि न य द्म सि न सि वि न

ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः

ये सगुगुत्सर्व काली॥ ॐ नमः श्रीयन्न न ह्यश्वनाश ॐ नमः श्रीच
कसम्भनाय॥ जाव॥ धर्म धारुति न द्द दयानन्द कात्री॥ कालाव॥
जगताला कलाचन॥ जाव॥ कमलासनस्तु गमितवर्धुधनाकनः
कमली॥ कालाक॥ सहजानन्द कात्रिका॥ जाव॥ निषिलति न्यदद
आज्ञाद सुन्दरी॥ कलाक॥ नमस्तु भक्तमस्तु कुमाना॥ त्वाक जाव॥ ना
गजुन्धनी॥ विश्वसना नृह विधु विम्वो २ भाका न विथास्तु समुवा
॥ ध॥ नमामि नमामि श्रीवागीश्वर सयनमूनि तिन द्द दया २ विन
सयि कूटी गनमना हन समैय नमूनि तिन द्द दया॥ यी न निलल

नसि तव यन श्य ॐ जि नम कूटमनि नयन ॥ ६२ ॥ धर्म च कुम्
 डा कुत्रि सना सि २ द्य ६४ चा ययि यल्लायूक्त कथा सी ॥ ६३ ॥ सुना सु न
 नमि तव लच नर्ष २ रु नयिल यन मा दी वज जि नयु नलयन ॥
 ॥ ६४ ॥ नाग रु न वि ॥ मर धम मरु महामनि कन कना जि नर्ष २ यूर्वः
 विद हं जम्बु दीप २ अय न (ग) णाय नि उ रु न कू नू रु वन्य य ॐ व
 नक्ष य ॐ जि नया यिल ॥ ६५ ॥ नभय ॐ वृद्ध ॥ विंश्व ग्री जि न विंश्व
 हि न विंश्व हि नय ॐ मू नू नि २ अरु दीयान ना वह नि जि नमान
 सा रु नू रु य नि मि नत्त घन धा नू ल ॥ जा र्वे ते दान्य भया उय दि

यना वाउयदियजानुदान २५ सननउयदियचउ विदिगजु
 वन वाउयदिः श्रीखलुयन ॥ ५॥ दिनदवलयाचि न्नन
 नूडियाचि न्नसकजु दलचूंमिया न्न २ ज्वनाउदियां चि न्न
 क्रमनि कूयनि निड्डीनिखिल वदायनी ॥ ५॥ गुनूचननीव
 नसरु गतियनिरु वना मन कूसूमउ ललसीयनियूजा २ युवाव
 यनिरुनस्मि न्नसकयनिरु विन रु वज ननिड्डीसनु रु नी ॥ ५॥
 ॥ नागयद्मा ॐ लि ॥ अनिल अनलजल ऊ रु वमा ॥ मनूमहुल
 चक्रनाया २ वजय ॐ लललललसीयनिरु न्नमनूमहुलचक्र

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

हावी॥ **ध्रु** ॥ नागनलिन॥ जूनू लुनत थता वै का न रा व न न
नूयचिगिनविचिउ क व सी २ॐ जा दू का न व जा म त मु द के स फ
सी ॥ धा धि न ह्ना ना म त म री ॥ **ध्रु** ॥ चन्द्रा म त न स वा धि रु ल दा य
के स धि डि न वा यि न स रु उ क ल ॥ २ॐ ग ग म ल रु त ल गु न्य क नू
॥ धा रु व सी सा न ना स नी वि न द नू यी ॥ व ज य न मा नू सा य ग न्ध म्बू
सी यू नी ॥ २ॐ स नी धा यि न य ॥ यि यू र्वी २ॐ का न म नू था षा स न्ध व
ल व ऊ सी न धा यि न वि या क क ल सी ॥ **ध्रु** ॥ मृ नि नि सा ल न्द व ना
चन्द्रा ह्ना न स त्व मा नि य हि दि उ कि न नी २ॐ ग म ल रु नू ग फ लू

यह वना आ की तम न्दा कि नी जल नूर्यै॥ ५२॥ याद्यादिमानुमय गन्धाम्बु
सैयुत समय चक्रय वाणिग विमल कल्ल गंश्महा वा गड वीरुय वाधिति
रु नूर्यै समय सत्त्व हान चक्र भकीरु गी॥ ५३॥ नागनाड॥ नका व न दानि
नि भाय न स न्द नीश् अस्सा दल ग रु ऊयु ह न दानि कि (ए रु रु गु द्वा द वी
वा नू धी मा म कि द वी २ ज ग न यु मा दि न न य न स न्द नी (ग रु रु गु द्वा द
वी वा नू नि मा म ह कि द वी॥ ५४॥ आ ग म व द यू ना द व वा र था ग ध
न म दि द्वा गु नू उ य द (ग॥ ५५॥ यश्च वृद्ध स्य नू स्व नू य द्वा गु द्वा २ स
ह म्र था गि नी ले या ह नू व गु ह नू व॥ ५६॥ स ग गु नू च न (ए सि नू

गत धनीया २ रु नयि सु न त वज सु ना सु नू यी नी ॥ **क॥** ना ग वि ला
 स ॥ (गमक) दण्ड नय सु न त वज सु ना सु नू यी नी ॥ **क॥** ना ग वि ला
 या न ॥ **ख॥** बु द्धा द व वलि ना य पि रु व न धि न २ वी न म्य ना य क स
 म या न न्द ॥ वी न वी न ग्ध न स रु जा न न्द २ क न क म ना व रु द्ध द या
 न न्द ॥ **ख॥** य सु वृ द्ध य सु न्ध स्व नू य २ द वा सु न न न य मु दि त द
 द या ॥ **ख॥** ॐ आ दू दू दू खं (गमक) ध यो मि न २ द म नू द्ध ष्ठा ध नि वि नः
 मा न न्द ॥ **ख॥** ना ग न म स्का न ॥ ॐ आ दू दू दू ३ स्य च्छ वि म न्द म नू दू
 दू दू ॥ **ख॥** न ना दू दू दू न ना चि न्ना न ना दू दू दू ३ ध व ल सु सी वि य

चन्द्रमन् २ दूँ दूँ दूँ ३ सनदसू सखियदह धनू दूँ दूँ दूँ ॥ ५२ ॥ दान्दा
 लिगनथा गधनू दूँ दूँ दूँ ३ वज्रघट्टासमूडा आनादिना लदूँ दूँ दूँ
 ॥ ५३ ॥ मायाविदविलिङ्गा गधनू दूँ दूँ दूँ ३ स्वहिय वज्रसत्त्व आनाधि
 ना न दूँ दूँ दूँ ३ ॥ ५४ ॥ नागरुनवी ॥ ऊर्य ऊह र्य वा च्छुत्रि ह नू वध न
 न्य २ स य न स न वज्र न वन्दि न चलन ॥ ५५ ॥ न ह ह ह ग व तीया
 दूमनमहिम धुल न उ ल घ ष्ट उ ला हा हा ना हा द व हा उ आरु ल
 न विरू खि त न उ ल घ ष्ट उ ना हा हा ना णि नि णि नि णि न य न न ना
 ण ही न य ना ॥ कलति कया ल गि ली व लू द ल न ल सिल माला २

कलतिख लीगवलमकूटकम् ॥ ५१ ॥ सिलससिंधूलनयनकर्ज
लरुलजावाश्कमुलीकर्युनरुलयितवाला ॥ ५२ ॥ गवन्निमून
तवजवन्दिनचनलश्यनमामिरुववसरुजानन्द ॥ ५३ ॥ वाग
मधुमन ॥ विचकलनविभलिमहुलमा ॥ सरुजानन्दमूनूतिध
वाश्वेजवावाहिआलिगनसम्भननानावस्मीमहाआला ॥ ५४ ॥
ननादूँदूँदूँननादूँदूँदूँननाचिन्नागनादूँदूँदूँ ॥ नीलावर्णचरु
नवकुयतिमुखगिनगुयनमानन्दमूनूतिधवाश्विश्ववजजुह
चन्द्रजनामकूटधनाहाउआरुलनगु ॥ ५५ ॥ वज्रघट

गऊ चर्म दम नूर ख ली ग ध न वि न मान न्द मू नू ति ध ना २ क न गि क
 या न य न स या स ध ना णि गूल व द्म सि न न्ध ना ॥ ५२ ॥ गि दि ग वि
 दि ग का का म्या दि ग ऊ म दा यि या न स रु जा न न्द मू नू ति ध ना २ न
 मा मि २ धी च क स म्भ न स न गु नू च ल हा जा ना धि ना ॥ ५३ ॥ वा ग ग न्म
 न रु न वि ॥ ॐ आ दू रू ट जू न्म स्वा हा म नु वि (ग व उ ची नू ल २ यू जा
 यू जि न यू द्म (ग हा व न्म त्व वि (ग व उ ची नू न ॥ ५४ ॥ ख ख ख वा यि र वा
 जू वि व नि यू ऊ डे ल द्य द्य द्या ट य द्या ट य वि द्य ह न न य क्श मि या
 न स य क्श सा नि न य क्श ह्म न जू व व नि ना ॥ सर्व य द्म ना द्म स रु न य

ना॥ ५२ ॥ स न गु वृ च ल (हासिल्य) गत धनीया २ श्री वज्र का ग्नि च
 ल न्य स व ना॥ ५३ ॥ ना ग रु न वि॥ पु वि ण नु रु ग व न म हा भा द्र यु
 व व ल द स यि नू ल न वा धिय द २ ऊ नाम व न रु य व न्ध न भा च य
 य व मा मृ त म य य व भा गु न॥ ५४ ॥ न हि व त्स म हा या न था ल म वाः
 धि चि त्ता मृ त या न यै व भ २ द स यि ष्ट ह म (ग) च ल शु ष्ट न थ नाः
 नू ल न वा धिय द ॥ सर्वे त था ग त यू ऊ न या मि घा न या मि या य न
 नू २ य र्ग या स दि खि त य चि व ल् के म ल कू लि स य लि रु म ल् ॥
 ॥ ५५ ॥ कू सु म उ द क म कू टा स नि क म ल् ॥ कि न कू ल या स म यः

चार्थयदं मन्त्राज न दय न भल दय द भव न गति य द रुम ल
 ॥ **५२** ॥ नमामि २ श्री चक्र सम्व न गु न वाक् द ध ध त्रिया र स त गुः
 न च न द मि च ग न ध त्रिया ज न र्क न सिद्धि भा द य दाय नि ॥ **५३** ॥
 न ग वि रु स ॥ उ दि ना न ल यि या य व न दू ना र व न द सू दाम यः
 कं का व स ल ना ॥ **५४** ॥ धाल दू ल रु य नी सा क ह त्रि ना २ जू र व
 य नि ली ज न भा र व कृ ना ॥ दि न क ल म धु न म धे र्व को ल ग ना २ क
 नू ना म त ल सै स्य क कृ ना ॥ **५५** ॥ द ग्म जू लि रु य य ति नि रु न्का
 २ द वा सू ल न व सि ल न मि ता ॥ **५६** ॥ ग भ व न्क या व न य ति गु न रु

विषि विहमि

रजोका

गता २ श्रीवज्रवाचादीगुडसिन्नमिना ॥ **५५** ॥ नागहवनवी ॥ विः
विहमिह नू लमा मालू त्रियूक्तु दन्य २ दवनलजसू लगनरुव
नहृ गै क नू ना ॥ **५६** ॥ नाचन्ननेमामि श्रीसम्वलविला ॥ वज्रआग्नि
लन्कि प्रमहामूक्तु गाला वज्रवाचादी जालिगन के (५७) २ च्छति
सम्विलविलेश्व न समलसमृ ख श्री गाला ॥ **५८** ॥ (गम कू दहनविः
म्वमल गुरु क न २ के नू लू नायन समलसमृ ख श्री गाला ॥ **५९** ॥
हादसुरुज धनि चानि श्री वदन २ नीलसी हालू नगगनसहृ रु
कलू ना ॥ **६०** ॥ नागजूरुठी ॥ हाणरु नन कि या प्रसम्व न धनयि

कवाजिल रुसा २ गु द्रु धा न नम यिलिय सु ग्म न म कूट क भदिः
 गला ॥ **क** ॥ न न भा न स म्ब न ना या सम न स सु न्द नी भा न का ना २
 रु म वि ना हि नी व ड वा ना ही रु दाम हि या न सा ना ॥ सा नि रु य न व
 ल स सु रु म य न क र्यु न रु न यि न भ्वा ना २ ग ग न नि ना व लु व न्धि
 न ऊ ना भ नू म लु ल रु व ली ना ॥ **क** ॥ गि य ध नू ख र वू ज च्छा दि (ग
 ल स म्ब न य यि स यि मू न्य रु दाला २ रु म वि ना हि न व ड वा ना ही
 २ द्वा वि नू द यि जू न्ध ना ॥ **क** ॥ ग भ व नि ली ला व ड ऊ गि नी या
 म्ब न स ग गु नू च न न ज्ञा ना (ध २ स म या न द रु ति (ग ल म लु न स

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५॥ नागमालव ॥ निज रुवजू वधू रुवना
या २ श्रीरु नगमनया गिनियौ ययिसे ॥ ५॥ ज्ञानन्दादिदवा च्छ
लि ज्ञानन्दादिद २ ॥ नाचयि रुवमनसा सैयू र्हु ॥ यू र्क सिग नः
हिरु न निरु कू न रुव २ ग व नी जू न कायि वयि स न्ना क ॥ ५॥
ग्रा ॐ ठिया न ॥ कालयि च न्दालि २ गी न जू न्य काकि न नि वा ऊ न
॥ ५॥ ज्ञानिकालि दू यि ताल धन न् २ की द नि कमल कू लि स वा
ऊ न ॥ ५॥ ययि सयि ॐ म्बि जू द य स ऊ ग २ न च वू या गि नी मी ग
ल गी न ॥ ५॥ दस म नी धा नी चो नी व ता नि २ लय न च वू स म हू नः

वृवाला॥ **कृ॥** नागमधूमन॥ यमुदितादिदगुरुमिसून्दनिः
 सनमनूमलसंस्मिन्नलयनाश्वादिगुरुजक्षत्रिचात्रिचउव
 दनवज्जवानाहोक् (६०) जालिगना॥ दूं दूं दूं शदहदिह रुन (६१)
 मानगयनर्मवाधियात्र शदन्दालिगनजुदयसंरुवनाचयि
 दान्यसम्भननाय॥ कूलिसगद्य (६२) गजचर्मगि गूलाकलिदम
 नूगुरु (६३) हिन शमेष्टयुनी गकया लखली (६४) गया गयनशुव
 झसिचन्धना॥ **कृ॥** यश्चि नवलमकूटजालीकनवमूडाजः
 रुनहाहृषिना शजालिकालिदूयिजानीधचाययि व्याघ्रचर्मः

२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

निवासन कृष्ण ननु॥ ५॥ नत्र सित्रमात्रा जालभा श्रीसम्भनदि
वच कृष्णिनी के नून हि या २ ऊर्यै लम ऊल मरु मायस (६) गभव
नियत्रमादिव ऊगी ना॥ ६॥ नो ग रू व वा॥ नात्र ऊ नि॥ गि नि नि ला
यन च गु न व व्र विहा ना २ न वि म नि चायिया न व यि ध न॥ ७॥
॥ काम के रे या काम न हि सी मा ना २ ना ग ध व भा रु न व नि ध न च्छा
दिया॥ वाम द हि न क न म् वा न या वि २ ऊ न यि व जान न आ रु
नि दिया न॥ ८॥ यु ला घ ष उ या यि न व जा २ व ऊ य व न घ न चि
य सी ला (ग)॥ ९॥ क र्णु वा न न्क अ रू न्क न स म य २ क न दू पु निः

क्लामधु नहाम॥ **५२॥** नागरु नवि॥ कल्यादि वस्त्रिनी अक्षय
 मिलमूलि सोधि कालिगन विनिरु वनी श्रवत्यलम्बा धन जीलि
 गङ्गा काल अक्षु नाग आरु लेनी कृष्ण वलना॥ **५३॥** असु नरुय
 ह लेना सुल दूषु नीद वमाल वनमर्थनीया यह नना श्रविवि
 धिलियूरुधु नीविघ्नवि (धामन) उद्यादिसदसदिगगासकल
 नी॥ दहिने कल निधलयश्च दगि निला चनी चलनदायमथन
 सुमृति गमनी श्रवामखली गधलवक्त्र कयाल रुयै वसमूढः
 सा गलमनुयानी॥ **५४॥** धाल कूडूल विल अक्षु हासनी विन्दुव

लमथनी कला न वदनी २ व्याद्यु चर्मनिर्वस न नल नृन्य मा ला
 जूलिव विखा दनी लिखि रु लनी ॥ गम वनि सु ल न वज गु लू न गा
 धन वध रा व ना स न मा न य न नू २ वृ ध ध र्म सा स न सं द य य लि न
 ख र्क श्री म ह काल न व या द स ना ॥ ५० ॥ **गग विराम** ॥ को ला ॐ
 प्रथिया धो ले म् मू न के को ला २ द न कि यो ० हा वे डू ॐ क नू (हा
 कि यो ॐ ने ला ना ॥ ५१ ॥ **मल्ल** ये ऊं क नू ले ठीं जी मा न हि ना द वेः
 ऊं ॐ ॥ न हि रु ने या ऊं गं धं म य ना वि व ॐ आ ॐ ॥ हा लि को लि
 ऊ न य वं न दू नू नू वे डू ॐ आ ॐ ॥ ५२ ॥ **चउ** से मे क मु नि सि ह्ना क

यूलो ॐ आ ॐ म न य ॐ न न सा लिं ऊं ल नं हि रु चं वा ऊं आ ॐ
 ॥ ५ ॥ यं दे हो र व न ल के ली भं सु धा सं दु मू न ॐ आ ॐ नी ला भू हे
 जं ग च न्द्रा व ॐ न हि ऊं से भा या नं आ ॐ ॥ ६ ॥ ना ग रु च वी ॥ जयं
 ऊं य वा च्छु लि स य ल स न्द लि ना अ य य दु ष सं हा न न्क ॥ गु ष्म गु म न
 न्क क लू ष वि ना सि ले ना व दू ना स र्व ना सि ले ॥ ७ ॥ लू न गू न गू
 दान दू का ल स जा न नि ल वा लू न ॥ जि म ऊ ल या नि ल दे हा यू ले न्क
 जि न ऊ न नि नि ल व ज या गि नी ॥ ऊ यं ऊ यं हा ल आ रु ल न गु ष्म क
 ल नि क या ल वा ल धा नू ल ॥ ८ ॥ स ॐ दू अ नि ल अ न ल अ ष्म म हा रु

यनित्रवाल्मीकी ॥ ५२ ॥ अर्यं अर्यं लूडसमम्भन्ययिथा यिषिगीव
लूडनलसिलमागा ॥ विनियमवलाकी भऊगरकनूषनाधनि
ली ॥ ५३ ॥ अर्यं अर्यं नायदूऊगरेसीसालयनमामिजूदयवाक्क
लि ॥ विरुवनरुद्रयकुदविनानालयकासीगा ॥ ५४ ॥ नागकद्र
॥ अवननिनिहिरवामजानूअसवोरवर्गीकिन्नक्षमात्रसन्नासा
२ नागद्वयमारुवन्धिअयाग्विरुवननायअचलविना ॥ ५५ ॥
नमामिग्रीचक्षुमहाअवनजातमृत्पूनिष्कदिनाश्चविश्वनाथ
विश्वव्यापितवित्रविक्रमहाकाधनायाजातमृत्पूनिष्कदिना ॥

२ अत्र निरुद्ध

अतिरीषक्षउग्रप्रचन्द्रादष्टकनायाविद्युतकिञ्चक्षश्यीतिनञ्
धनाककेननयक्षवेनिसन्नासावाखदूसनेक्ष॥ ५२ ॥ माधवमा
यायूनन्दनखद्मावृद्धयिष्मचायादरुनकाश्चसमनसमायाजाग
विभाहाहाननायसभाहिनदहा॥ ५३ ॥ नन्नारुनक्षयहालितमी
लिकेयूननूयूनमनमनकावाश्चननननागवन्दितचनलोना
यसूनश्चनञ्चलवीना॥ ५४ ॥ नोगकमाद॥ अवनितिहितज्ञान
निनसमदहाश्चककनप्रिनयनलीषमवदना॥ ५५ ॥ ननादूँदूँ
दूँननादूँदूँदूँदूँजातञ्चलकाधनाया॥ निविधिघनदूँतिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ग २ या ग १ र व ग १ धा त्रि त्रि त्रु व न ना था ॥ ५ ॥ ह त्रि
 रु न व द्वा ॐ न्य च उ मा ना २ मा ल वि द्य न दू ति ग १ रु रु य ह न द्वा
 ॥ ५ ॥ वि वि धि न त्त मी त्रि नै क त द ह १ उ ग र वि नो जि त व नः
 रु न प्र दा ना ॥ ५ ॥ ना ग म ल्ला न ॥ ग न्ध म लु ल म (ध वी का न सी जा
 ना २ दि तु उ न क मू खि य धि वि द वि ॥ ५ ॥ न द्वा हि म ह द वि
 य था वि मा ना २ स र्वे न त्त मी य र्हु रु धि ना ॥ यी त व र्हु मी म नू यि ति
 द वि स र्वी म रु यी क न ला क सी ना न नी ॥ ५ ॥ क न क रु द द्य र वा
 म क ल धा न द्वा २ स र्वी जू रु यी क ल ला क सी ना न नि ॥ ५ ॥ दि व्या

वीकात्रहृषितदहा २ हात्रनूयूत्रनिधाषवसून्धत्रा ॥ **ध्रु ॥ नाग**
ललित ॥ अलय ३ न श्रीम ३३ कुमात्रा २ ॥ ११ ॥ धत्रकिवनसंकीः
 ॥ नदहा ॥ **ध्रु ॥** दव श्रीम ३३ धाषगिगुवन व्यायिता २ नीकुरव
 गंधत्रदहिन कत्र धाली ॥ वामयूसूक धत्रसूत्रगुत्र नायाश्यम
 गासनकीसनदहा ॥ **ध्रु ॥** दहिन वाम कत्र धनू ॥ न धात्रि २ च
 पुत्रमानदय्येष्टवानयहात्र ॥ **ध्रु ॥** जगतर्ज्याष्टनाथप्रमूदिः
 गद्गदया २ अहिमनसूखरुलवलप्रदागा ॥ **ध्रु ॥ नागविरा**
स ॥ वामखयल धलदहिन कलति २ यायलनउलत्रन्दमानाउ

२ निदयेकम

विलहलहलनाच०० न कउननतियवजआगिनी॥ प्र॥ गिनिह
गुदहविप्रिगुवनय०० सहलहलनाचंयीन कउननतियवजयागि
नी॥ प्र॥ कालमिगुदुयीयास्यलवन्धीया२नाग(धषभाहनक
नतिनकुदिलहलहलनाचयिन कउननतियवजआगिनी॥
प्र॥ थूलसूक्ष्मदवीनिलजनदवि२सून्ययागुदविसूनसम्भाव
हलहलनाच०० न कउननतियवजआगिनी॥ प्र॥ श्रीसिंहानु
नेदवीकलूनदहवी२मुखमार्गदविगुद्वासिवासरावहह
नाच०० न कउननतियवजआगिनी॥ प्र॥ नागरास॥ गिदलक

२ निदयेकमलः उदयतिमधूकरसुखवायः मनाहानादविः सिरुवनश्वनीः गिरुववापि
ताः श्वराः आयुः सुदीनश्वलीः नृदयहानसु॥१॥ गिनदुर्दकानुसर्गदममिर्गः परम
तनेमसुनीश्वराः हतिरुवलेसपिः ॥२॥ ॥३॥ ॥४॥ ॥५॥ ॥६॥ ॥७॥ ॥८॥ ॥९॥ ॥१०॥ ॥११॥ ॥१२॥ ॥१३॥ ॥१४॥ ॥१५॥ ॥१६॥ ॥१७॥ ॥१८॥ ॥१९॥ ॥२०॥ ॥२१॥ ॥२२॥ ॥२३॥ ॥२४॥ ॥२५॥ ॥२६॥ ॥२७॥ ॥२८॥ ॥२९॥ ॥३०॥ ॥३१॥ ॥३२॥ ॥३३॥ ॥३४॥ ॥३५॥ ॥३६॥ ॥३७॥ ॥३८॥ ॥३९॥ ॥४०॥ ॥४१॥ ॥४२॥ ॥४३॥ ॥४४॥ ॥४५॥ ॥४६॥ ॥४७॥ ॥४८॥ ॥४९॥ ॥५०॥ ॥५१॥ ॥५२॥ ॥५३॥ ॥५४॥ ॥५५॥ ॥५६॥ ॥५७॥ ॥५८॥ ॥५९॥ ॥६०॥ ॥६१॥ ॥६२॥ ॥६३॥ ॥६४॥ ॥६५॥ ॥६६॥ ॥६७॥ ॥६८॥ ॥६९॥ ॥७०॥ ॥७१॥ ॥७२॥ ॥७३॥ ॥७४॥ ॥७५॥ ॥७६॥ ॥७७॥ ॥७८॥ ॥७९॥ ॥८०॥ ॥८१॥ ॥८२॥ ॥८३॥ ॥८४॥ ॥८५॥ ॥८६॥ ॥८७॥ ॥८८॥ ॥८९॥ ॥९०॥ ॥९१॥ ॥९२॥ ॥९३॥ ॥९४॥ ॥९५॥ ॥९६॥ ॥९७॥ ॥९८॥ ॥९९॥ ॥१००॥

मलवनकुसुमधुंकलरुहंलवल्लिना २ श्रीविनूयाविरवगामु
यनेमस्वना ३ रवाडागिरुवनस्वस्तिमास्वयंकुत ३ रुमीनलरुवेमु ॥ ३३ ॥ ३३८

मलवनकुसुमधुंकलरुहंलवल्लिना २ श्रीविनूयाविरवगामु
स्वयंविंम (ध्व) नंयोलसुव्यायिना ॥ ३४ ॥ नमामिनेनात्मागिरुवन
व्यायिगावच्छलादंविश्रीमृगथंलिसयलसुनासुलवन्दिनचंन
नजु (ल) गत्रिंद्दिसिद्धि वलयदाता ॥ नन्दनंवनचन्दनंनलवजु
लंगकुसुमयात्रिजातवन २ नीर्थगंशिसमवाद्यमेतिलजुन
गनिलथसुदनिर्म्मना ॥ ३५ ॥ जूषुलवजुषुआग्निंदवीजु
भगदवासुनखगुयात्र २ जूषुमंहारुयदुनिननिलवाललजु
भगविंघनविनासन ॥ ३६ ॥ विश्वव्यायिगातनुनिंदवीजुस्वय

निर्वञ्जनञ्जनिनिर्मला २ ज्वरिमंथसुखरुचदांयनिजलमज
 लमरुश्रयाथामलना ॥ ५२ ॥ नागधनासिनासवाक्रान्तामहा
 स्रवलिनाचउज्जानन्दसूत्रयिनिशितुववनरुचयिमहासूष
 लिनाचदुसूर्यदयिम्यलिया ॥ ५३ ॥ नयायलिनानयून्यलिना
 गिरुवनयकसूत्रयिनिशितुववनरुचयिमहासूष
 रुचज्ञानवलदायनी ॥ ज्वरिमगारुमद्युलतादियाग्रयिनि
 ल्याननमिवलूयिनि २ कलतिखयलखत्वीगधनिप्रह्लाहा
 नवलदायनि ॥ ५४ ॥ गिर्गम्वलमकूटकसाचक्रिकुन्दलकैः

धि धालि २ म्यषलमन्दि गलाचक्रस्वरुग्रीवलयुवनलसिलः
 माला ॥ **ध्रु** ॥ सर्वे तथा गतजननि देवी विवहिर्गैरावज्जुगवा
 २ श्रीवज्रजागिनिसिलीगत धलिया गभवन्नीसमलसवजा ॥ **ध्रु**
 ॥ नागमालव ॥ वज्रिधात्री श्रीवज्रानि २ सिंघीनी वाघिनी ऊर्म
 कउलाकिनी ॥ **ध्रु** ॥ नमामिहि श्रीआगामन्नज्ञानश्वरीया २ गि
 नीन्यनुद विगिरुवनययिषा यूर्वउरु वयम्बुमदद्विदिदिग
 दवि २ गकिनीदियिनीचउसिर्वैवाजिनी ॥ **ध्रु** ॥ चणुत्रदिगउ
 न्यरुलनुदवी २ गिनिननुदवीनाचन्नि देवी ॥ **ध्रु** ॥ हविहन

वक्का ॐ न्य असू नमाया २ खाद म द वीसमनसम्हा व ॥ ५२ ॥ नाग
 नाग ॥ नाग ऊ नि ॥ चा नी चल हा चा य यि च उ माला २ आ थ व य न य
 नि मूर व णि न य ना ॥ ५३ ॥ ना च यि रु नू व न नात्मा दे वी स हि ना ॥ अ
 सू था गि नी ग न दू न दू ल मा गु ॥ कू कू व न हा वा उ म रु उ रु ल न्य
 २ वा घ च ल म ध न रिं ग ल क म ॥ ५४ ॥ च की कू ल क ठ नू च क
 म व ला २ वि रु नि वि रु व न म नी आ न दू ता ॥ ५५ ॥ ग्र ध यी ल मः
 ल स स रु उ आ न द्यि ना शि रु व न स च ना च ल यै न क मू नू ति ॥
 ॥ ५६ ॥ ना ग टा ल मा ० ॥ ना हि म हू ल मा म् उ त रु वि ना २ सू सू मः

नसहजसूखनगना॥ ५॥ दवीविजमसिगउड्डगगा२गगद्य
 साखलमाभिलिनगगादिहिनकननिनयागधनी२वामखल्ली
 गधजधनी॥ ५॥ सवकाकालमूरवमालसीगासिगा२ननसिल
 मालवित्रीविना॥ ५॥ रुनयिसूनतकजदुर्गतीलीगा२जलः
 मजलमगुजसलनगना॥ ५॥ नोगरुनवि॥ गजहडिहिनउड्ड
 कहा॥ ५॥ धनियाकमलकुनिसर्जगवा२५मनूकललिक्क
 तागलविभूनावामखल्लीगकयानधना॥ ५॥ ग्रासम्वनाया
 वाचुनिगुद्वजगुविना२मानलीलचायियाभमायसहजस्वः

२
का
वि
से
न

रु व भाम नि ना ॥ या सह व न भा द क द्वा द सी हा ॥ थ ध लिया कम
ल कु नि स र्ज क् वा ना २ नि न ह नि ना हि न क न काम य च उ मूर व
ज नि वि का ॥ ५ ॥ ज्वा ली ध या था रु न व चा य यिया न का लि ना ॥
वि वि म्ब मू डा २ वि श्व कू लि स ज्जु च न्द उ टा इ न व्या द्य च र्म ष न मू
डा ॥ ५ ॥ च्छु नि स म्ची न वी न श्व न ना य क वि नी च कु म हा वि न वि ॥
ना २ क नू न ग्ग म न वी न वी न श्व न रु ज्जु यि स य न सी सा न ध ना ॥
॥ ५ ॥ ना ग वि हा स ॥ ना न उ नि ॥ दा वि स न व न वि ना स यि क यि ॥
सा २ उ थ रु ना दा म धु ल ना थ रु रु ल ना च रु यि न रु क रु ग ॥

निर्वसीयाल्य॥ ५२ ॥ जूमियज्मृयानि नञ् नदस्य २ सहजसू
न्दत्रियाजिनउल्लवाल॥ ५३ ॥ जचउआगिनीहित्रिमिलिमित्रि
या २ वज्जवाहादिआलिङ्गनकाकैल॥ ५४ ॥ उधरुनादाकनून
कवात्रि २ ऊयआलिङ्गननिनावर्तुचाल॥ ५५ ॥ सर्वनाथाथैग
नासाने सर्वनाथागनालयै सर्वधर्मगनेनाई द ५१ मधुनभा
रुमी॥ १ ॥ सान्धधर्मगसेरुनेहानचक्राविश्वधिनैसमनुरुः
द्वेगा(ग)दसमधुलभाहमी॥ २ ॥ सर्ववदनसंयूहसर्वानेक
नवजिनैसमनुरुडकाया(य)रुखमधुलभाहमी॥ ३ ॥ सर्वस

त्वमहाचिन्मसुदुयकितिनिर्मलेसमन्तुरुदवाचा (ग्रंथावमधु
 लमालेमी ॥ ४ ॥ नागहेनविना नानजगिता जसूदगनयालदिगाः
 विदिगदिगारुवन्य २ ध्वंसिप्रमानचगुनघना ॥ गगल (गगनग
 गलपू न २ कालगगनदमनृद्य ६ वाजिया ॥ ५ ॥ दूंदू नमाः
 मियश्चदाकदाकिनीयस्यवेनि स्नानदाकिनीसनयय (गय
 गगा ॥ यूवउलनयस्त्रिमदद्विनचगुनरुवभविद्यनखधिया
 ॥ वजुगकिनीघानवगानगकिनीचधुनगकिनिचगुनदः
 वी ॥ ६ ॥ सिद्धिनीवाधिनीजम्बुकउचूकिनीखलीगकयानर्भूः

३ विद्यनमान ३

कृष्णदहसूक्त॥ दाकिनीदियिनीचउसिकम्भाजिनीधालनम्वादः
 लसैकागवदन॥ ५२ ॥ जि नऊननिदविदाकिनीगुइयायसनः
 नायश्चमूडाआरुलनरूषीयात्र॥ खवर्गहृनकलवजघटखत्वी
 गयागयनमामिदवीग्रीहानदवी॥ ५३ ॥ नागगावेनि॥ नाल००ः
 नायमाथ॥ नम्वाकलनम्वादुगिनयनश्कल्यसारुकरसिन्धूल
 रुषिता॥ ५४ ॥ गनाता३घाद्येननायूलहाथयनशुधना॥ गजमू
 खज्जसूतुक्षानिकयाजमृनितमृनिभाहृनिज्जाकषनिश्ज्जा
 दिमक्षातकल्यानसिद्धिकन॥ ५५ ॥ स्वर्गमिक्षयातात्रिगुवनश्

गलयनियुजिलसर्वकारुसीद्वि॥ ५॥ त्रिद्विसिद्धिस्वरुवसंयुद्धं
 ऊयविगलेश्वप्रिगुवनवायिता॥ ५॥ नागरुनविवायिऊनथाः
 गनऊनमलीयालसमयाचालीवयिथनालशदहदिसदसवन
 ज्ञानधियालसमयानन्दरुननिहा॥ ५॥ विनवीनश्वनवेधना
 लमलुलसमूहाविश्वरुनिय्या२७ऊंकारवलिदानधयादानय
 नियाविद्यानिनवाचूल॥ यूव्वेशचनदक्षिननत्तसम्ववज्जमि
 नारुयज्जिमव्यायिता२३ऊंनज्जमाद्यसिद्धिमाज्जदुखसमया
 नन्दरुननिहा॥ ५॥ समाविश्रीसन्वनमाजकारचक्रहवजका

ॐ
नमो
भगवते

यविश्वरुलिया २थागथागिनीवृन्दजनदासमयानन्दरुलनि
हा॥ ५२ ॥ सिंरुनादवाजिया नदमनूयुग्यार्थजुष्टथागिनिमत्रेदा
यनन २जा नन्धनियुता जवध्वनयिया न कर्तुयाचनहारुन
नाहा॥ ५३ ॥ नागरुनेवि॥ ता नदुर्जमान॥ नेमामि २जिन धारु क
लन्दकचरु नमनूति आलिगिता २य ३ज्ञानय ३धारुसूत्रया
वृद्धधर्मजालयनग्वना॥ ५४ ॥ गना दूँ दूँ दूँ जगतसैगालमो धवि
यामनाह न नममु २य ३जिन रुग्वना॥ नेमामि २ग्रीगानियूल
ग्वल्लुद्धि सिद्धिवलदायनि॥ दूनि नरुल नसर्वयायदलीदानयू

२३
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

छादसिकयू न त भ्वा ना ॥ **५१** ॥ सू न त वज रु न ग्ग व नि व स न्क रु न
 व रु नू व क न दू व स न्क ॥ **५२** ॥ ना ग रु न वि ॥ ना नू न क न नि ॥ रु स
 ल ख ग मू ख व ज चि रे न ध भ्मा द या य नि मि त न २ कू टा ग्ग न म ॥
 ना रु न म धु ल व ज धा नु हिय क म ल व न ॥ **५३** ॥ द ध रु व नु न द
 द य क म न हिया च क ल २ म धि सि धि व न वि ष्ट वि ना स न हा यि म
 रु मू डा सि धि ल ॥ आ दि वू द्ध हिय म म ध न म धु न वि ना स यि व
 ण न च क २ नी ना व धु सू न जि त ग्री म न म न्ना ना य य नि म र्थ न ॥ **५४**
 ॥ य सा दि न द रु दि रु ल ग्मि वू द्ध न ग्ग दू न ऊ ग न उ द्धा न २ स य ल

२ वक्रा क

वृद्ध जि न च कू क न ना या नि ऊ रु वहि यय वि रु वा न ॥ ध्र ॥ गु न
उ प दं म यि सि द्वि यू ग ल मा कू ल लि वि रुं ग ल श स त गु नू च न द
सि न्यी ग त ध त्रि या रु न यि सू न न व ड त त्व ल ॥ ध्र ॥ आ ग ग्य द गि
नी ॥ च की कू ल क लि ना च क म्य ष न रु वि न गि त्रि व नू ल न
न सि न मा ना श स न ऊ रु क च की ले या रु स्म उ धू नि ग ग न नी व
धू नी यो नो ॥ ध्र ॥ य रु स खि रु नू व द रु भा नू का ना इ ग ना थ श्री स
म्व ल ना य ॥ व ड क भा न क रु (थ ध त्रि या क (रु कि या दू ख त्वी (ग
श स यू न या गि नी क म ल वि रु सि (ग न म हा सू ष म ली य रुं (ग ॥ ध्र

॥ वज्रवावाही आली गनसम्भवननाचयि वद्रुविहरं (ग २ वाचुनि
कावायिकीदनि रु नू व जू ध रु व रु ल न स्व च्छं (ग ॥ ५५ ॥ सहजसं
वृत्ति लेया गभवनि कर्षुया रु नू व चलनयुसादश्युस्त्रा आली ग
न रु नू व निलावर्षु विलासयि शुन्य क नू ना ॥ ५५ ॥ ॥ ❀ ❀ ॥

रग शब्दाच्छुलिकालयि किर्दुह वञ्चुदुव रु न न रु सी ॥ ४ ॥ सहज
सगिलया गभवीर्ग क न न या रु रु व च न न यु सा द गू य ह्ला लिंग न रु रु
वा नि ना न त्रि वि ला य यि शु न के रु न ॥ ० ॥ ना ग का भा द कि ॥ च म्मी श्म
य ल दा दि च न्दा लि रु रु ध्वञ्ज भा व सि धि न थ न स र्ग व न ॥ ५ ॥ ज यि र
रु रु वा र्ज वे क वा कि रु रु न उ न च्छा ठि ल लि ला व न वा लि ॥ ६ ॥ य रु
त थु ग ग क (दा दा रु रु दि रु रु स र्व स र्व उ ध नि ल मि भ च क्री मू दा ॥ ७ ॥
मा रु ग्री रु रु व रु रु व रु ना भा य नि रु रु ह्ला या य उ दा लि न रु ग र्क व
रु के ॥ ८ ॥ रु रु त्य को न आ च्छु त्य रु रु व स रु रु रा व रु रु न वि ह्ला सी मि नि

जुरुवनाराया॥०॥ **नागरुनवि॥** गमज्जिनउद्धरा (धंधनियाकः
मलकुलिगत्रकुवाला २ दमन कनति कुनालपि भूलावद्वरवत्य
ककयान् ३॥ **५॥** ग्रानिसर्वभाववाचुलितुमज्जमूत्रात्रि ३ २मानयि
त्रचायियायिमायासरु गुरुवरुद्भलिना॥ **५॥** यासवद्भमूडाद्वा
दगहा (धंधनियावूननमिनमाला २ निनाहितलाहितकनकय
यिचवमूखजगिविकला ३॥ **५॥** जालिधयथा रुनचाययि ३ का
त्रिनातिदीयडा २ विस्वकुलिसज्जुद्धचन्द्रजगाशनवाद्यचनमषन
मूडा॥ **५॥** कुनिसवित्रीवित्रग्वननयकतिनिचक्रमहाविना २ क

न न शिद्या न विनीवि न श्व विरुज यिसयल सीसान् ॥ ० ॥ नागरुनवि
॥ चामकय न धन दाहिन क न नि श्यायी न दाउ न न द गमलारु विन ॥
॥ ५ ॥ नाचयि न कज गिर्य वज आगि नि नि नि न ग द वि विरुव न य
यिसयि ॥ ५ ॥ काल मृगुद यियास्य न व धिल्य २ नाग (धरवमादाक
न नि न क्कु दिला ॥ ५ ॥ थूल गुरवमादनी नाज न द वि २ गु न यागु द वि
गु न सी हा व ॥ ५ ॥ मिस्ति सी हा न न का न न द वि २ भा रव मा ग गु द्मः
स्य द्द यि ज य यिसा ॥ ० ॥ ना व अ ह डि ॥ ह दा रु न न किया नी सी व न
ध ना य त्य वज क या ल २ गु द्म उ द ह्म म त्रिया मू स्या न म कू र क ग दि

गंवना॥**क॥** न प्रभा न सम्वनयाया ममनसद विभा न कला शहव
चिना जि न वज वा ना हि रु लमयी विनसा ना॥**क॥** सा नि रु य न व न
सू न मय प्र कं थाल रु यी न न्वा ना श गगन नि न वा न न व न्चि वू आः
हु म्य न म लु ल रु व नि ना॥**क॥** गिय ध नू व ल्वा क उ च्छु जी नि व य व
स म्व न य यी सू व ल रु ना ना श ह म वि ना जि न व ज वा ना हि रु म नू द
षी मी जू धा न॥**क॥** ग म व नि ली ला व ज थायिया न म ट गु न च न न
आ ना॥**क॥** स म यान न्द रु लि (ग ल म लु ल स म्व न स व ज वा ना हि॥०॥
॥**ना गरु न वि॥** ययि स गुरु ग व न मा हा मू दू य द द म यि नू ग न व

धियदं १३ नाम न न रुय व धन भा च यी य न मा मृ त म य य न गु न
॥ ५२ ॥ सर्वे न धा ग न यू ३ निय द्या ग यी ना मि न या य ग न २ यु रु या स
दि स्वी ग ट य त्रि च न न कम ल कू लि ध नि रु ब न ॥ ५३ ॥ द्रु गु म उ द
क म कू ना स नि क म ना जि न वू ल स्म या चा द्य य दं २ म न्ना उ न ड यः
स द द्रु य न द भ व ल भ नि य द रु गु न न मा मि ॥ ५४ ॥ ग्रा च क स म्भ न
गु न्दा क दं द ध नि या २ भ ग गु न् च न न भि न ग न ध नि या रु निः
रू वा क व ड स ख न ॥ ५५ ॥ न हि मा हा व क्क या न न यू ग म्भ वा द्वि चि न्
भ ग भ द या य न नै य २ सर्वे न धा नै गै यू ३ ना य ॥ ५६ ॥ म ल लि ना यः

ॐ न धा ग ग मिलिया ल्य सम च निरु वलि धरु ला ह्या २ द स दि भ द स
वलि आ ना धा या ल सम या न न्द रु न नि हा ४ यि ॥ ५ ॥ वि नै वी न मानः
वे ध ला न म ला द वि गुरु हा त्रिया २ न दू का ना व नि आ ना दान द वि दा
न फ या वि द्य न नि न वा क न ॥ ६ ॥ पूर्व वे आ च न द रि व न त सी म् रु वा
य क्ति म जू मि ना रु वि या यि ना २ उ रु न जू भा द्य नि रि मा भ जू द रु स
म या न न्द रु न नि हा यि ॥ ७ ॥ समा हि ग्री स म् च न मा भ का ल च क रु व ज
का य वि रु य २ आ ग दा षी णी म्य लि वा जि ल द म नू य भ द ॥ ८ ॥ जू ४
या गी नि म्य रु दान यू न २ आ ल ध नि ना जू व धु व न यि या क लु या च न

त नै निहायि ॥ ० ॥ नागरासा ॥ त्रिशूलदमलवनक्षयसत्रसाध्वधूक
नरु नवल्लिना २ प्रावि न्वा द खगमूषद विम्यद हमा लया व्या रु
हानि ॥ पु ॥ नमामिने नान्कम्या त्रिभुवनमाता वाचुला द विमनलली
२ सकलसूनासूनवन्धि न च न न जून्यग निधि मिष्टि वनयदा ॥ पु ॥
नन्दन वन्ननी वे च न न त ह न्ध जून ग द शुभया निजा ग व न २
निच त्प गी गत सम वा ग म ति प्र जून य नि र्थ शु द्ध ग व न ॥ पु ॥ विस्वः
दियायित दान नदवी जूसय निना न्कय आ रि मयि २ जूसय
होरुयदू निस्तु निन वा न नि जून ग विद्य न निन वा न नि ॥ पु ॥ जू मघ

सुहेनव अस्सुआगिनीम (ध अ न्य ग द वा शु न द्वा य न २ अ लि म न्
 शु ष रु ल दाय न ध नि ज अ उ भ रु उ या य स न ६ ॥ ० ॥ **ना व म धू म धा ॥**
 वि च क न व वि स मि म लु ल मा म धि ति आ न धु म नू नि ध ना श्व ज वा
 वा हि आ रि ग न सी व न ना ना व स मि म हा आ ना ॥ ५ ॥ गी भ ना र्क र न
 ना र्क रू रू न ना न न र्क ॥ ५ ॥ नि न व र्क च रु र्क वे य नि मू र्व ति न गु न
 य न मा न धु म नू नि ध ना श्वि स्त व ज अ ध च न्द्र उ ता वा द्वा न ध न हा दारु
 न न रु स्त रि ता ॥ ५ ॥ व ज द्य ष्ठ ग ज च र्म द म नू र्व त्वा क ध न वि न मा न धु
 मू नू नि ध ना श्व क न ति क या न य न शु या स ध न रि गू ल व द्म नि न ध ना ॥

॥**पु३**॥ दिगविदि कां का स्यादि गजमुदादियालसजानन्दकल्यानबना
२नमा २ श्रीचक्रसंवत्सगतुन चननआनाधियाला ॥**पु३**॥ नागवसः
न॥ चन्द्रादि तं गुरु तं नै (ग २) अदायचियकूनागभन ॥**पु३**॥ नाचयिसैः
व्वननातं भववजवा नाहिआलिगन ॥**पु३**॥ चतु नानधुही नै नन श्वि
चिगुवियाषविनाजितनस्य ॥**पु३**॥ अनूहनु नै जमनु गि न २ क न नासि
द्यानविनाजितनस्य ॥**पु३**॥ अलाकालरलाका ५ रास २ आलालिकजदि
यनरास ॥ ० ॥ नागदंभषा सास्वतवजविनाजितसा लिनममूकूकः
मि २ वामरवत्व क कयालधनियाहाथ कनति धनिया ॥**पु३**॥ आयीयादास

द्वैतसहजानन्दश्चकनसहावगूढगुलिनानमद्वैकसहजादवि॥
॥ निजयगूमधुदहधनधनियवूननसिनमालाश्चिनिधगुगुमरुन
न्यकीयप्रगुवठवी॥
॥
यनकाधन॥
मीजबवाधियप्रचगुकाविहानि॥
माधिवज॥०॥
द्वैतसहजनकनद्वैतवियालि॥
गाप्रमूहचूवि॥
॥

मनि कल वहि यक्षिया नसना हि ॥ **ध्रु** ॥ साधु नाया प्रद्व निदाल २
चन्द्र गुर्ज धनिय काहल ॥ **ध्रु** ॥ रुनयि गुद निवूद्व न् विनास २ वनय
नात्रिमाभा उरुय विना ॥ ० ॥ **नाग** ॥ हन नित्रमद्व तकि न किम निरासि
तचनन जाग ॥ **ध्रु** ॥ साहिया वडा सत्व यन म्यसा नचनन जाग ॥ **ध्रु** ॥ गम
सनि वहि यि यि धि कै थू गत गन व जाग ॥ **ध्रु** ॥ चानि गुरु नन चानि
रु गत यद्व म जाग ॥ **ध्रु** ॥ गिरु वन जालि तमू न् न् न् नाय नव्य नव
त ॥ **ध्रु** ॥ नस मि सी हा सन्ति खत नस म्भर्ग सि हा सव न ॥ **ध्रु** ॥ वद्व विरु हा स
नि सह न् न् नाय स ता व न ॥ ० ॥ **नाग** नमस्का न ॥ धूमा गश्नि चन्द्र कना

लिश्चिषनयीगलकसतिनिचयन॥**ध्रु**॥ रुजयीया रुद्वसहजनउ
तिश्चुनानाविन्वमहावलियूजा॥**ध्रु**॥ समयनद्वजागावनदवश्च
मुनिश्चवल्लूहवयन॥**ध्रु**॥ गीतकलेकच्छुणावनिसाहियश्यस्तीकर्न
कसमद्वलवयन॥**ध्रु**॥ भाउमहायीतवनगयनश्मच्छमान्समदन्धि
नज्झाहानन॥०॥ नागविरास॥ धनधनद्वधनधनधनश्चानयधन
यचक्रिगीत॥**ध्रु**॥ मधुनमधुनवजध्वकस्मभद्वद्वन्रजागसवीनवय॥
ध्रु॥ क्वन्वजधर्मसमयश्चज्झालिककर्तुवत्यश्चद्वलद्वधुलिद्वह
धनशुसभाकनगीतकमनवय॥**ध्रु**॥ वजशुचौज्झननभाश्चिधमयसम

यदा न सह। न त्वा धृ क व न व जा उ न क। ॥ १ ॥ कि वि कू माल ध न ॥ ५ ॥ सा स्वः
न नि स्व रु व य न यै म ॥ सा स्व सह उ सू दा न म ह ॥ ७ ॥ हि र व ज ध क स म न का
य नि द्ध न भा च ध न ॥ ५ ॥ ई ई प्र ह्ना ध क गू क भा र म्य व ल मी दि न य न मी मू
ख। ई रू न ज्वा दि न च न न व न प्र न मा मि गु न नि व ज मि न ॥ ६ ॥ ॥ ना ग रु
व वि ॥ जू रू दा न न वा न दि ग वि दि ग रु व न ध मि न मा न च रु ल य न र ग
ग स्य ख न ग ग न म न म का ना ग ग न दा म नू द्य ण वा जि या न ॥ ५ ॥ ई ई न ग
मि य रू रू ग नि ल्क ना दा कि नि स न न रू रू रू ग्य ना ॥ ५ ॥ पूर्व उ न ल य द्वि व
द खि न च गू रु व न वि द्य न मा ना वि द्य न ख न्दि या न र व ज दा कि नि धा न

वागानाजकिनिचधुलदाकिनिचतुनदवी॥**पु॥** सिंहनिद्याद्यनिऊवूक
उलूकिनिरयत्वकयनसूजैरुभदधुहास्माश्दाकिनिदियनिचवग्निकथा
ऊनिधानाजजैवीसकासवजनि॥**पु॥** जिनऊनद्विदविदाकिनिगुशयः
यसूननयश्मूडारुवनतुखनियार्खदगरुनकवजघष्ठवर्षकया
गायनमामिदविदौकिनिगुईयैग्रीहानदवि॥०॥**नागमलाद॥** मूगिन
खचिरमनिमउविहानागुनविहानघनगुनाश्नजिलमयिसाहान
अनधरुंदानागजिनमयिनाअघनचिना॥**पु॥** महादविनाऊभाः
रुनराश्हिदमागघनघनहिदनिडागानिवदगुख॥**पु॥** कथक

छिथा कानभमि तस्मादहा (र्थं दधु उयद ह्यु २) अथिवनद धिनलकन
 उमनुवाजिन नञूनचि नयि दानरावा ॥ ५२ ॥ ननभात्रियत्रियातयः
 ग्यादिवालजयलीका १ श्रीखद अगुत्रिकमुत्रिकयूनायानरुयराग
 विनासा ॥ ५३ ॥ वक्राविष्कूमहृष्वनआदिनकालविवाहा अनूसाजा २
 सनगुनूआलाआगिया वैमिदचधर्मगुनगुनलानूसाजा ॥ ० ॥ वाग
 निनवधनामकि ॥ मनिमद्वग कम्भनूदमालविरुखितलवननसि
 नमाला २ दिनमनकत्रियावा नसाहिहा (र्थं अमिनकवा ना ॥ ५४ ॥ गम
 वाक्चनदविनानिस्मचननिजघननानिथा २ उनमआरुनगगरुनि

बालिदिवसगन्निवसहिद्वितगन्नि **॥ध्रु॥** चक्रिद्वदलकथिभाचः
 कुम्यरवउद्यच्छाभारियोश्वाद्यचमकधस्यनलवनउनहाथवाज
 यिम्ना **॥ध्रु॥** जससमस्वानरुमयिभरव्याऊयिसुउऊवदूनाश्चसमस
 नयियूसिगवभाद्यसमसाभावजवगालि **॥ध्रु॥** वाधऊवनाभजग
 नाविचवूडुरुवनगुक्काह्नियाश्चनिवजआगिनीचवननलिभग
 ध्निया **॥ॐ॥** नागहैनवि **॥** उँवजधकवजईकात्रभकालिनागिनि
 युनायग्निभश्चनयजूननक्राधाभज्रचयीयविद्यलसमूहन **॥ध्रु॥**
 उँद्यद्यघातयश्चर्वदूष्टनकिभयदूरुनयायहभश्चुँवजकीलयव

निवृत्तवत्तन॥ वियसिमयसमभारु गामि॥ बरुस नव नउम निया॥
दादव वरुसुमस क म विना धन न नमय नउम गिया॥ ५॥ वाम क
न दे हि स क न वा विन न न न न क म न च मू नि कू लिय विन विन
आमि आ विन न न रखा लया॥ ६॥ गू न ज म धु ल मा भ उ दे य न नि धि
न न धा वि धि या २ क न न स दान ध यि व यि न नि धि ध न न न
न उ उ म निया॥ ७॥ अ ठि न न न न न न न न न न न न न न न न
निया २ ग न
न न

यमगानियनमामिसर्वनरुनयिया॥०॥**नागरुनवि॥**राष्ट्रुनरवद
मूनहानसमि वरुनति कूनययकुमि न २ कूति गानमरु नर्यदलव
ऊ धातु हिया कमलधन॥**ध॥**धैद्यतु रावतु न ह दय कमल ग्रियेच
क न २ निधिसिधिक न विनास न ह यिमहा वृधि न॥**ध॥**ज्वादि वृधि
हयासमि ह नमधुलविलास यिषनच क न २ नियविय बनती धीः
मूनययलि माधन॥**ध॥**यसविल्य दह दि गानसमि वृध न गवनजः
गगुउ तावि न २ सयल वृध जि न १ क क न यिया निऊ विऊ ययनि
रावन॥**ध॥**गुनुउ यद गंध सिधियूउ क्लि न खनज गत वृगनः

१ ना गगान्धन ह न वि॥

निर्गगतगुनु २ चवनसी नगत धनियारु नति वज गातु न॥०॥**गि**

होवन ॥ प्र ॥ उ नू उ व द ॥ प्रा स धा प ॥ मू उ ॥

१ ना ग ग न्ध न ह न वि ॥

x
सा गो ३३

निश्च न ग नू २ च न न सी च ग न ध निया रु न गि व ज ग नू ॥ ॥ वि
रु व न मा न वि ना स यि च निति म व न न ग नू न रु व न न २ न क रु निया अ
न्य का न य श्र न थ ग न लि ना ॥ ५ ॥ तु र या स स च न रु ग नि म हा स य न
मा मि रु (ग स च न २ श्री स्य ती रु ज यि वि रु व न न नि च द दू ना नूः
नि द वि सा ॥ ५ ॥ य श्र न थ ग न के मू ट वि रु रि व न के द ल ना ग न उ ला
ना २ सि ह च न मु ग ज श्र म वि रु रि व न ना ग न रु व न मा रु ॥ ५ ॥ अ र्था द
स रु १ कू द स च द न्य य सि न मा न वि सा ने ने सि न व्या स ख ज ध नू वा म्य
नू ज न नि श्री स्य ना रु ज यि दू म च य वि ना सा ॥ ० ॥ ना ग नू ज नि ॥ ५

मनिमदनमाभननमिभनाथनवनयुहा २ हादमाला रुखिन हाद
ननमिभन रुखन ॥ ५५ ॥ दविमात निहिननसव नाथननन विवजीः
न २ विस्व व्यायित वा हाऊन निद्यदि रुयस वनिम ॥ ५६ ॥ पुनवकाल
सा ५ सादाऊन वऊमदिनस्य खन २ डामिय कूल कथिनत्त वाडि कप्र
॥ ५७ ॥ सानूचक भनिनिनयन्य रुबदा निमनू वन २ ननम निद्यहा
नभायू नमानसयलययासन्य ॥ ५८ ॥ कदियम्य खन रवीदिमी दीत सूर्य
सफुयुहा ५ वन २ द हि ये मू गिया धा नरि खटा नि कत द नि सन ॥ ५९ ॥
कूमेन द द ल वि क न नय न क न तिखायन क न धन २ मायि ऊ गुति

मिग भा वयि गु नू च न न नी प्र व ना ॥ ० ॥ ना गरु न वि ॥ द व दि ग व न

कर्मैतद्ददलविकनेनयेनकनतिखायेनकनधनश्मायिऊगुति

* १५ दिगाव

मिगभावायिगुचननन्नीप्रधना॥०॥ **नागरुनवि**॥ देवदिगंवन
धबलकननिगजचर्मविरूखितरुचयिसमरूजनयहारुनयसी
नवकालिनिगलचाययियुनमामिदूदूकन॥३०॥ काजसर्वप्रोकनू
नामयहंऊनमऊनमगुइभवनना॥**५१**॥ सहजाधनूमयआनआमन
विजदूखिउवनकयिययश्चलान्नीकायचक्रमयीचउमदूर्जमः
विद्यनविनाभनयुनमामिदू२कावा॥**५२**॥ यनयानिलजिमहनआ
मिगहभहगुनीभआनिनूयजानदमून्नियुनऊनमननरुयदूरव
विनासुनियुनमामिदू२कावा॥**५३**॥ नातनननभानमालानवित

x
२३
३३

आनआनीतिवृद्धीनामिहवविममिध्रीमगवजसत्वयुनमामिदं
कान॥०॥**नागविरास॥**ललितलालनातिलालयकेथकियखन
कन२हृहृवृवृमनिहृहृल्यहृसाएवृहृहृवृजिवृवीश्वरवृनाश्रु
हृःवृजवाजसआगिहृवृवसहृउनिनावननावननाज्ञन२गयः
न्यषयनमभाहृनभाहृल्यसमनसदमवृवजानृन॥**५॥**कर्णकृ
कृलुलमलहृलम्यखनन्यवृललमकाच२निनिनिहृजमाग्यः
जृद्वयआगिसमनमृटगुवृवजधाभ॥**६॥**वानिचननभादसतु
मलुलआ०वयनविकलानृन२जृष्टमम्याभकिठगुहृवृखयन

रुनरुनयजृन्यककृभ॥**७॥**रुनतिकर्णमहृनवृमसिअवनन

मधुल आ० वयन वि कला नू २२ अष्टम म्मा भ कि उ गु ह नू ख य न

रु न रु न य अ न्य क कू ॥ ५२ ॥ रु न गि क ह म रु गु न वू प सि अ व न न
वू उ दू वि से षू २ रु म रु व रु मू नि वा न म हा गु ष ७ क रु ल या अ न्य क
कू ॥ ० ॥ ना ग माल बा नि ऊ रु व अ व धू व ह नू व स यि या श मि न रु ग
ग म न आ गी नि य यी स यी ॥ आ न दा नि वा ष्टु लि अ न दा नि न ना न्य
नि ह नू व म न स पू र्ण ॥ श्री उ द या न्य आ ल यी च ष्टु लि श मि न अ न्यः
हा कि नि नि कि व डी र्य ॥ ५३ ॥ आ लि का लि उ यी ना ल वा डी र्य २ ७ च वू
आ गि नि मू ग ल गी र्य ॥ ५४ ॥ य यि स यी पु दि अ य स ७ २ की द यी क म
ल क म हि डि ना धा ॥ ५५ ॥ द स म मि धा नि वा नि व ना नि २ न य यि न

स्य ह नू वरु ल्य ॥ ० ॥ ना ग म ल य य श्च म ॥ हि कि क स ला क स म का द
यि ल्य द यि ल्या दि अ न च न न ज ग म र्नि न य ग ति ना स दू ष या या य
य ह शि न्द म वि न त्त क ल्य वृ द्ध ॥ ५ वि श्रा वा ग वा क यू चा नू च न्द्रा व
ज न र्जि न ऊ न नि रु य ह न धी मा न स ता स न म य न ऊ या थी ता यू न
य नि ॥ ५ ॥ ऊ न द ह ग ति म द म मू नू च का रु ऊ न ऊ नि श्व ल रु व ह नि
र स्य न म न ल्य न सा वि स ना षा ऊ ट स क नि जी न य शु य या प न व नि ॥ ५ ॥
न वि का गि नि च न य ग न रू न उ य यू ति त क सी ध र्या त न व मा नू ष श्रु

व न ऊ ष गि ना ति का न म मि ता शु ग ति ता रु व न्य मी या य न व ति ॥ ५ ॥ म म

वतजघनितागिकानममितागुगतिताहुबन्यगीयायनवति॥५॥सगा
नरुयगानयून्ययदयनमामिदविश्राविस्वमूनगि२गवचनश्चिना
यसमीतैगुनतिगवरुवनगीयायदुगि॥०॥नागदसारव॥सास्वतवः
जविनाजिगभालिनग्नमूककगि२वामकत्वककयालधनियाहाथ
कनतिधनिया॥आयीयालमद्रुकसहजानद२कनूनसहावगधु
लिनानमद्रुकसहजादवि॥५॥निनयगूमधुलदहधनियवूनन
सीनमाला२तिनिधगुगुमरुवनकीयनगुमठवी२कनूनका॥५॥
सत्वविस्वरवनवधनूखनलायनकाधरात्रराखवक्षीचद्बानन

कीर्तिविशालिप्रदवि॥**पु॥** चानिषानञ्जवधधियननगुक्काविहानि
 नानगुन्याययसादनगभवतियनमाधिवज॥०॥**नागञ्जुहङ्गी॥** नका
 नसूहमधुलवकंदसदिगजिहलरुलनेरस्वयनुदधुमनगहनवि
 यायितववृजानेदग्टका॥**वानाहि** (गभसम्भनानानाहंप्रीयालिनिः
 नावनिहृहृन्रवामहाचन्दालि॥**पु॥** कनतिकभागरखटकवाभमूका
 कसदिगवास्यरकनककयूनरुटखधुनजिनगुनजुयात्रास्य॥**पु॥**
 कालासम्भनगंरुन्रवववृजानरवान्यश्मश्रुवजजूसिधैगभनमहामूडा
 युजिध॥**पु॥** धुनकन्रनसीहाधधवृकूडीविमूकयैश्मयनमहास

हमाथाधप्रजागिनिकनयीजानेद॥**पु॥** सहजानदरुनयीनरुनि

ह मा धा धा प्रजा गि नि क न यी ज्ञा न द ॥ ५ ॥ सह ज्ञान द रु न यी प्र रु नि
 य वृ क र्ण नि वा सा २ व ज वा ना हि आ वि ग न मे य न्य स म्भ न वृ द्ध क वा लि
 ॥ ० ॥ ना ग सा ग न ॥ ह न म नि म लि दि त म कू ता न य न्य न द्य न ता ना श य
 श्च व (६) स्त्र रि त म न्द ल म दा ल ज ग त हि ता ना ॥ ना वृ तु गु रु म रु व न्धू
 ल वा क्कु ला द वि मा रु २ चा नि म ल च वृ वि द्य न वि ना भ न क्ष व नि मा नः
 य ना य ॥ ५ ॥ स म य स ल्य न्न न ना नि वा क्कु ला द वि ना च नि न द्य न ता ना श
 नि क्क ना द द म नू वा ज यि गा मा न य ना य ॥ ५ ॥ बा द्य च र्म क ति म्य व ल स्त्र
 रि त ग्री व नू द न न नि न मा ला २ नू द मू द य त्वा क धा न क न ध नि व ज

या ला ॥ ५ ॥ नि नि नि भाय न हि व म द हा दू ग ह दू ख रु य ह न ना २ च कि
 कू लु ल क लि नू च कृ सा हि त ल लि ग म हा का ला ॥ ० ॥ ना ग (ग म धु गि) अ व
 नि नि हि त जा नू विला ग म द हा २ क क न नि ष य न हि र व म व य न्य भा ग
 ना २ कू २ जा न अ च ल कृ ध ना जा ॥ नि वि दि द्य न दू नि सा हि त मी (ग श यः
 स ख कृ ध नि गि रू व न ना था ॥ ह नि ह न व द्वा ० न्य च वू मा ला २ मा न वि
 द्य ग न स कृ रु य ह न ना ॥ वि वि दि न त्र मा नि ले कृ न द हा २ अ ग न वि वा क्ति
 ग व न रु ल दाय के ॥ ० ॥ ना ग ॥ क टि य क नू ना द वि नू द मा ल क्का ५ २ ग
 ह औ र्जे ने ठ न वा च्छ ल द वि ना च यि ॥ न का लि ग न गि रू व न व द्वा स्य गु
 ३

अथ न कालि ग न या ॥ रु द्र वा च ला ५ वि रु ग त र त न न २ भा द न रु द

कु

झुनकालीगनया॥ तुझ वाक्कुलादविजगतउतनन२भाहजरुगा
नाग्रीहनुबयिनाचयिनुकालीगनगीरुवनवुझस्यतुमानकालीः
गया॥ तुझ वाक्कुलादविनानानूयि२नुकययाननगगननमासी
नुकालीगलगीरुवनवुझस्यतुझनुकालीगनया॥ कालिलरुन
वउरुयभीसा२नुसचवाचनग्रीवजजागिनिनाचयिनुकाली
गनगीरुवनवुझस्यतुझनुकालीगनया॥०॥ **नागभाठिलि** कल
यिभधियावालामामुनिनकेकला२घनकायिथिहावऊयिभकेनून
कियायिनलाना॥ मलयाऊददूनुवऊयिभदिन्दीमाटयिनावऊयि

॥ गहिरुलवजयि गमधमयि नायि बयियायि २ हल काल जलयनया
यि गयि हलवज नयायि ॥ चवसर्मक युनिमिला कयुनल वयिया २ म
लयाज ०० दानसालि नदूदू वजयाया ॥ यखानद नक नमसाधसा
धनमुन्दयि २ निनगुह जंग चना वयि तहि ऊसनापुयता ॥ ० ॥ वाग
गमधुयि ॥ दाविनिस नवनविलासयि कसा २ उधदू हलाद्वमैद नाइ
नतधिनकाऊ निवानिया ॥ जूमिय जूमितारु नाऊन विनामयि २
सरुज शुद निलयाऊ निदू नययिसयि ॥ नचवूजा गिनि १ नमना २
वजवा नाहि आलि गनकाल ॥ उधदू हलादाक नूनकनवालि २ अय

आहलि गननिनावनिनवाह ॥ ० ॥ सर्वनाथगतासीर्क सर्वनाथगता

पञ्चावनाह अलिंगनकोला उथरु लोकोक नूनक नवा लश्ऊय

२५ वि ७३

आह लिंगननिनावनिनवा ल॥ ० ॥ सर्वनाथ गगनासीर्न सर्वनाथ गगना
लय २ सर्वनाथ गगनासान्क दगम धुल मूलम २ सर्वधर्मी गगनासीरु
खमिदल मूलम ॥ ० ॥ **नाग** ॥ यवि गुरु गवन मोहामूक युन न दस
यि नूतन वा धियद २ ज नाम न न रुय व न न म्ब चय य न माम्भ न य न
म युन ॥ सर्वनाथ गगन यूज नाय द्या न यिमी म्ययाय न न २ युश्यासदि
खितय निधन न न थ ना नूतन वा धियदी ॥ कृष्ण म उद कम कूनास निर्व
म नाजिन कूल समया ना ऊयद २ म नै न्ना ज न ड य न स न धयद सवल
गति य विरु शुन ॥ अहि व कूमा हाया न न था न म द हि चि नाम न या

न्यरवजन्यनापूनहाविना **क्र** रुवयात्रयानलनैज धननैदाहनह्ला

२४ वीरगोपन

नकुसा २ रुवाहा बविवजितनूनननगयनभुनूयिनि **प्र** यदमवः
ऊयदमिन्नगतनिरियागवयिरासकुलिसा २ नूननननिधिभादः
यदायनियनमामिध्रीकजऊगिनी ॥ ० ॥ **नागरुनवि** यूर्ध्ववर्द्धयनिह
नीवाहानाकनकर्वननूदधुगधनि २ उगनमेहधनि विखवाहान
चन्दनधवलप्रिगुलहसा ॥ हाहाजूरुमसानननिनवलनगदिन
जूरुनवगधयनिसदिन २ नूनिधिजूनचननभादयदायनिः
भुमननैया ० विनाहसनि **प्र** यच्छिमं नूद्रायनिहसिवाहानाकूक
मवुनाविजयहसा २ दद्विवावाहाहिनधाननूयिर्जूसहिनामदि

म
२४

रवा ॥ नि ॥ ५॥ नृसानच निद वि धूमवना क न निमूल व वलि वाहनाः
२॥ ज्ञा ॥ गदी ॥ की म निमय न माहान न ग न ला द्वा व न न ॥ कि ह स्मा ॥ ५॥
ने ॥ भ विष्क वि ग नू ड वाहान न ग दा च क ह स्मा मय न क्ष नि २ वायू व चा मू
दि के काल व न निद्रा वाह २ ना ख द ग ह स्मा ॥ ५॥ जू ख कुल ना ग द्या न्माः
क्षानि ख उ या ल स हि न जू ख द वि २ यु न मा मि द वि न वे या द जू चि
ल रू गु नि मू गु नि ज स्य नि द्वि क नि या ॥ ० ॥ ना ग ह न वि ॥ च न्द्रा ग्र मः
॥ न ॥ ग्री य ॥ वृ द्वा वा स वि ना ग न ग र्दि न भ द्या २ ग द्वा न य जू भा य वृ द्वा
भ द्य न या भ द्या ट द्वा क ना ग ॥ ०० न्द्रा ज म ऊ ल ऊ द रू न वायू व द्वा न द्वा

दि ग व लि द्य नि २ २ जू ख ॥ म ॥ न च नि ॥ नि ॥ वि न ॥ न ॥ च यि म द्वा

अधनयामिद्याट दक नागा ॥ ० ॥ न्यजमजलज दक रुग वायु वाङ्मनद

२० विद्यापि

दिगवलिद्यनि २२ अष्टममनचुति मवित्रम्वनक्षचयिसहजा
नन्द ॥ ५ ॥ धनमहामहायममयद्वनजयि नजदृहा मन २ लक्ष्मी
वानाजून्यकनायानाकिरी कज रियन ॥ ५ ॥ के कालिधा नानायाम्यः
घाआलक कालाकने कने २ मङ्गि नासा कायवमाया ना दक्षम्यदाचव
द्वन ॥ ५ ॥ वनमितभद्या दलिक नागाव कङ्गि धानाजून्य २ सत्यः
यालनागमचून्दयालव द्वाजयि न किल की लायी न ॥ ५ ॥ दादगारु वाद्वा
दगारु जाचवमरुति निती निलायना २ रुनयिकुल्लसानदवसम्बन
कालिनागियुदना ॥ ० ॥ नागमालवा वङ्गि धानिवियालिचछाली २ सि

२ नमो भगवते

द्यिनि वायि उम्बु कउल किनि॥ नमामि आगम नरुन्य ग्वनी॥ निनिन
गुद विप्रिरुवनय निरु॥ **पु॥** चतुत्रदिगद रुनल गुद विशाकिनि
दायिनि क्षासि कम्भाकिनि॥ **पु॥** यूर्वउत नय छिमे दौ दक्षिणदिगद वि
ग्निनि निनी नाच निदवी॥ **पु॥** रुविह नव द्वाब्जुसूत्र ग्रन्थद
द विसम नरुमे व॥ ०॥ **नागरु नवि॥** नमदुं का नल नू वध नू रक्षु समि
त्वउ ना नू न नू वा॥ ग ना दू ग ना दू ग ना ग ना दू दू॥ **पु॥** धव नरु स र्था
नी द रु ध नू र स र्वा हिय च नु म दू॥ **पु॥** द छु आलिं अ न था गः
ध नू र वज्र घ ष्ट मूडा ध नू॥ **पु॥** माया विद हान लि न ऊ य सा हिय का

धनुश्चैव जघनं मूलाधनुः॥५॥ मायाविदहानलिनजयसाहियका

वनत्रयसत्त्वमदं॥०॥ नागायनमजलि॥ अनिलजनलजलजलजल
माज्जम्यनुमलुलचक्रनायेश्वरजयञ्जनेभनेजालसयदयनिरुलिन
रुनुवावाय॥७॥ मनुदलियाभनकनुदाजालीगनरुनुवादलिय
यावजवावाहिजालिअनेसम्वनदलेयीया॥५॥ गिरुवनरुमनः
कुवायरुटाजागिरुवनरुमनकुविनाश्गिरुवनचनोत्रप्रसाया
नगिरुवनरुमानकुवीना॥५॥ कुनिगविनविनध्वनजहिश्नहि
श्जृष्टस्माभनश्जृनुध्वजभादभदविमिलियवयनसकावा॥५॥
जृहिनिमननूयालरुलीयद्वादिगलरुवरुधश्जृनधमननरुव

माधु वरुग वाग रु वरु यन मुग नयून्य यद २ रु न रु रु वरु ट व वद्ध

१८ नैव क न

नसादसजम्भेततुज गता ॐ श्वना ॥ ० ॥ नागाणावली ॥ लीवकननिः
लीवाधनप्रिनयन २ कधभाकाकनसिन्धुनरुविना ॥ नागाद्याधन
भउ नहा रथयन शुधन २ गजमूत्र द शुध धानिकनिया ॥ ५ ॥ ऊरु नि
त रु निभा हा आक वनि २ आदिम धान्क व वल्यान सिधिकन ॥ ६ ॥
स्वगमययाटालगिरु वन्य २ गहायनियुजिल्यसर्व कोर्ज सिधि ॥ ७ ॥
निधिसिधिलाकायसैयूर्ध्व २ ऊयवि श्वनास्व न गिरु व व्यायिना ॥ ती
न ॥ ० ॥ नागगुज नि ॥ वन्दु मुर्झ द यिसै कै निउ क स निना माग्यमः
धमा ध्यायी २ गरु नि नत्व रु मयी न ऊ द यन्य समे हायी ॥ कन थिवा

अजलविं वसुसमससात्रयिनामागामायात्रसकनिधर्मनथिता ॥४॥
ॐ अजलमसचिन्नात्रमाहृत्वेधनवैधात्रश्रदयियायूनानिरुद्धा
त्रनागविनागनगत्रवा ॥५॥ धर्मकनिकनरुनात्रयश्चकामवा
धश्रययुदयगनात्रस्यवृगनइमधका ॥६॥ प्रहृयायनरव्यनः
नस्यनत्ववृमसिआगिशस्यनत्वजनगुआगीत्रजवसेवधयूनिः
आयी ॥ नागमलाद ॥ अउधहानाचवनालिलयनकायाकैलवि
हानैश्चियवजावासनदवधायिलयश्चरिवृद्धा ॥ चाललिह
नावृटआगिवन्धनकैलविहानैश्चकायाक्कादिअन्यगदमात्र

नावूटजागवन्धानकलावहानरकायाष्ठादिअन्यनादगान

नमूदकवार्त्त॥५॥ अथखम्बवप्रकृतिगात्रनस्वरितनवद्वार्त्त॥
 श्यन्दितयातनदवथयिलयश्चसीङ्गरुद्धाहा॥५॥ कायाचन्द्रका
 यागुञ्जकायानदगुमाला२कायाजग्निवायुवन्नन्यकायाशुभ्यन्ः
 मधुल॥५॥ कायगयाकृतकायमाहावधिकायासर्वतिथि२का
 यानिथिज्ञानवससिज्वध्ववस्यजग्निवन्कीद॥०॥ नागमथध
 मथा॥ऊर्यश्वाच्छलिहन्वद्यननि२सयालशुनाशुनऊगगउधन
 नी॥५॥ गहुरुगवतियाउकमललिमधुलन्यवन्ननन्ननीकालाः
 हादमानआरुन्ननविजुषितन्यउन्नद्यन्कुउलालानिनिनिनिनि

निरिदिनिभनिनयना ॥ ५२ ॥ कनति कया नली (ग) क ऊ न रु ला २
 कविनि के (ध) व न म क न क मा ॥ ५३ ॥ गिन स गि न्धू न ली (ग) क ऊ ल
 रु ना २ क मु नि क यू न ता भ्वा न शु व मा ला ॥ रु न सि मु न न व ड वा च्छ
 लि दा सा २ व ड द वि य ग्ग उ रु रु व या सा ॥ ० ॥ ना ग रु न वि ॥ वृ द्वा न
 का का स्या द वि स्तु न यि जू नै उ का धि नि श मा न नू न्द्र स ग न य नि वा न
 ना ग य न मा न नि वृ न्द्र ॥ घ घ घा न य श्म वी दू स न कि ल य रु रु दः
 या य न्म ग्री व ड स ए ज्ञा ह्ना न का य वा क चि रु कि ल न उ रु न द्वा न
 उ लू का स्या द वि स्तु न यि जू न नु का धि नि श मा न यि य द्वा ग ग ट य

त्रिवाचानां यमात्रा निवृत्त्युक्तं ॥ ५२ ॥ यद्विष्णुमहाप्रस्थानाय स्यादविष्णु
नयि जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि नागसंगद्यत्रिवाचानां गायमात्रा
निवृत्त्युक्तं ॥ ५३ ॥ दक्षिणद्वारा मूलास्यादविष्णु नयि जूननुक्ताधिनिश्
मात्रयि संगनयत्रिवाचानां गायमात्रा निवृत्त्युक्तं ॥ ५४ ॥ जूगयक्ता
द्यमगाधिदविष्णु नयि जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि जूलसंगनयत्रि
वाचानां समात्रा निवृत्त्युक्तं ॥ ५५ ॥ नैवृत्यक्ताद्यमद्विदविष्णु नयि
जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि नादसंगनयत्रिवाचानां गायमात्रा नि
वृत्त्युक्तं ॥ ५६ ॥ वायव्यक्ताद्यमलुखनीदविष्णु नयि जूननुक्ताधि

निश्मानयिञ्जनिलभगनयवानीनाभयमानात्रिवृन्दन॥५॥
उद्धवाभषष्टुगोहादेवीसूत्रयिञ्जनकुकाधिनीश्मानवृन्दनसग
नयनिवाजानाभमानात्रिवृन्दन॥५॥॥जुद्धवाभउयषष्टुगोहा
देवीसूत्रयिञ्जनकुकाधिनीश्मानयिचक्रिसगनयनिवाजानाभ
यमानात्रिवृन्दन॥५॥॥नागवलाठि॥नानलीकटि॥आदिभूना
सुगीवविसञ्जनिलानलसलरुमिश्रसम्वभश्मिषत्रमासीसर्वः
मधुलसिरी॥जकजकिनीसर्वेगगक्षवायितयुक्तिगवक्षैजाग्रा
यश्चिनिगमानसवाहिस्ररुर्वञ्जूरुनसिद्धियेदाता॥गिसमाः

प्रिया/गामन विनापि पद ४ नमस्ति नदी १ नमः गामन ५ नमः १

विआ (गमनु विन्यासं स्वस्वद वयनियूयै २ काफयावानमृत्प्रयकार्य
जुद्धयनसर्वधियाला ॥ ध्रु ॥ विश्वद्वलि ममध्वः ॐ कानजानैः कूटांगी
नरुव २ विश्वयर्कं ऊमध्वः जुद्धयकार्यसर्वदवसस्तिने ॥ ध्रु ॥ गुनच
न (हमि जंगत ध्रुनियारुदयिन नृणां वज २ गिरुवनयापित तत्त्व
स्वरुबीरुनि (गल गग (हलीना ॥ ध्रु ॥ ॥ नागवलाठि ॥ टालमास
नमनहा ० नानामधुलला काटिहा ० नानादहा २ दह काटिहा ०
नानाआगिहिवृ न्दवारु चिन्तकै नरेवा ॥ उ कमधुललारुलिनन
आगिहिवृ न्द २ वज धात्वे श्वनी क (ह आलिगी एवारु मकलमा

ॐ॥ पूर्वया चक्र। त्रियालदद्विद्वान्तविरुत्रियाश्यम्भिमयूवाय
कासला उरुनत्यगंधत्रिया॥ ५२॥ सम्युटजागरुगता मिया
उसाकतालिश्कायवाकचिरुममधुलवाज रुनिनत्रगगददः
हृति॥ ५॥ कायगकायनूयगन्धयनसस्यगन्धिमिलितधर्म
धनुहायिश्कलूयामधुलचर्योगावृत्रवादिनयूजनहायि॥ ५॥
॥ ॥ जूहिवकयवग॥ नमस्कात्रकायजूहि॥ धवलशु॥ मयकसलव
त्रकालाकासमुदितगजसहश्रकत्राजावगमनसरावसमाधिगु
नूचदकालाकाजूहयज्ञानशुर्लीनमहाजावजिनवनरुषितद

हवत्रकालाकातथतामीयतकनदत्रस्यजावसदितविलानित

५२ वृत्ता गीता

हव न्कालाका गधनासीयुत कनू दनस्य जाव मुदि न विलागिन
धर्मन नू का ना का पिरुवन उय ऊय म क न् जाव (मने नृपः
गिव उ स लय न म गु न ॥ ययि का र्क ये भा न च क्षया धर्म द या स गीत
काम नू पी स जा न य (हु न्द कला विलायी जिन स्य मा ता जिन स न्द नी
ली न मा मि ता न द्वा नि स म्भ नी ली ॥ ॥ ॥ ना ग मा न श्री ॥ ता न द्
ऊ मा न ॥ धू मी गा नि च लु क ना नि २ श्री व न रिं ग न क स णि न य न
॥ ॥ ॥ रु उ यी या रु द न स रु उ ग न दू ति २ न ना ना विलू व म रुः
व नि यू न ॥ रु उ यि या रु रु ट का न क न क न न् स म या न दि न ऊ

गमस्त्रिदशीश्चरुनिवतत्रिचउमूहवयन॥ ५॥ नितर्कका
नक्तुणवत्रिस्त्रिहियश्चुस्त्रिकर्णश्चुसमाकुनस्त्रिहिय॥ ५॥ अउ
महावत्रियतिदनग्रहन्मचुमीसदमलुधित्रज्जालन॥ ५॥
॥ नागर्जनवि॥ नागर्जति॥ यव्वदिगमश्चनचहुगमसन्दविव
दायनीहसागनीश्चरुनिवदिगमश्चनगन्धवमसान्दवीनूः
दायनीवृखवाहानी॥ ५॥ ॥ रुनवमहाकागनयतिकुमाला
विलक्षणायालउदउदनी॥ यजियागममज्जनिवलिबुधिनः
धीवृगर्जिआग्निमाहगनात्रुदरुवनग्रीज्जुश्चमसान्दुगयन

नमो भगवते वासुदेवाय नमः

नयि भव गना ॥ यस्मिन्मदि गभश्च न हला कृष्णसान्धदवि ००
 न्यायनि गज वानि रने ० यदि गभश्च न लक्ष्मि वर्धु भवसान्धदवी
 वेष्टु वी गवृणसनी ॥ ५ ॥ वायुवदि गभश्च न धाला च भवसान्धद
 वि चामुष्टु मृणसनी २ ०० भवनिदि गभश्च न किलिका भवसान्धद
 वीमहा लक्ष्मि सिंह वाहानी ॥ ५ ॥ दक्षिणादि गभश्च न कल्लक भव
 सान्धदवि वाना हिमहिवा भनी ॥ ५ ॥ ज्ञा (ग्रयादि गभश्च न जूष्ट
 महा भवसान्धदवी कोमानी मयिना भनी २८ ॥ ॥ नागरु नेवि
 ॥ ना नजति ॥ गजमुख विषयमना न्दवयदवच नृणा धियगः

६१ श्वत्राय २ रु नमनि मुक्ता नत्ता रु नत्ता नत्ता कि नन सी का स
॥ ५॥ मानिया विद्यु मा लियो द र्ये मा लियो दा ष वि दान २ मा लि
या मा या मा न स न्ना सा भ नू य मु दि त ना सि ता ॥ य न सु वा ना कु म
व ड ख र्ग रि षु न या न जू ति द हि न क ना २ मु स न ध न र व स्वी (गः
ख य न रु ल के च वा भ ॥ ५॥ वि चि त्त व मु क चू के ति व सा ड टा ड
न म नि म हि न २ ली व क न नं भ्वा द न भा रा या य न स्त्री मि ङ्ग मि वाः
ऊ र्क ॥ ५॥ न त्ता रु न ध न न त्ता ग नि ता मू रि व क मू र व जू ति शु न्द
ना २ दि मा द न्ना त्व म मू दा ना न म मु २ ग ६१ श्वत्रा ॥ ॥ ना ग रे नः

* वि॥ ना न न क ता न ॥ य त्या नि र य दे ग वा का न्का र व दे ल भ्वा ट न त

* २०
विनि

वि॥ ता न न क ता न॥ य त्या निर य दे ग बा का न्ना ख व व ल भ्वा द ल क
व नू या २ न क व द नि ति नि न य ना च गु रु उ आ वा य च र्मे क नि व
सि नि॥ ५२ ॥ द वि न क ज ति उ ग र ज न नी रा व रा व व द्वा य नू यि
नि २ स व ज ग र ज आ ल्य रा व क न लि धु द नी य रु द रु ल मा कः
दा य नि॥ ५३ ॥ ख प्र क लि क या ल नि ला त्य ना वा म द हि न रु उ ध
लि २ अ रु ना ग र न न वि रु वि त गी व नू न ल न ल गि ल मा ना
॥ ५४ ॥ च कि अ क्षा रा सि ल म नि कृ णु ल के लि न ल न सी रु वा २ स उ
ल च क व श च न क टि अ मा य सि धि य अ मू डा रु वि नी॥ ५५ ॥

X
२३
क
व
२

॥स ग गु नू य सा द ग भ व न्नि नि रु यी क न मा या य न म्य श्व यो य मा
२ श्री उ ग ता ना सि न ग न ध त्रि यो न क वि भा हु न ध नी या ॥ ॥
ना ग म न्ना न ॥ ना न ॥ न क व द न न न्न म कू ट ज्वा ली क ना २ च तुः
तु ऊ ख ङ्ग यू स क स न ध नू धा त्रि ॥ ५ ॥ न मो मि म इ श्री य न म न
त्य श्व त्रि २ स य न ज्वा सा य त्रि यू त्रि न उ धा त्रि ॥ ६ ॥ द हि (६) श्री ग
दा य नि वा म श्री म हा का ल २ स ग दा म हु न मा ष य ङ्ग लि ने स्मि ना
॥ ७ ॥ श्री सि र्म हा ल ना या वि श्व वि या पि ना २ ज्वा रु य व द्वाः
धि दू लि न हु न ना ॥ ८ ॥ व ज ध ल य म्हा दि न दा सा रु य यि या २ गु

X. ल न न न म्हा त्रि नि न न म्हा त्रि न न म्हा त्रि न न म्हा त्रि न न म्हा त्रि

विष्णुसहस्रनाम ॥ १ ॥ वज्रवलयः साधनदाता ह्ययं यः

X
नमामि २ निमेषे

लूचननभात्रसिद्धिवनप्रभादा ॥ चजायु ३१ सूक् ४ ॥ ॥ नागभा
क ॥ नमामि नमामि श्रीनिलवर्णं दहं दिशुः जने कमुषयिं गत्र
कसा २ गिनु लमध्वनाद ३ मूर्ति यतासन जूति लीला दना
॥ ॥ तनादू २ ॥ माथा ॥ गिरुवन व्यायिता जगध्वनि नमामुनः
भामुनेनात्मा देवी २ वरुमुडा लेह तदहा मद्धि सिद्धि वलयः
साद ॥ ॥ नमामि नमामि श्रीदहिन कति कुदिन नागध्वयमा
हानि २ वामखयनखत्वी गकुक्ष १ ॥ हिनदिथ चद्रुगिनि ॥
॥ ॥ नमामि नमामि श्रीविनया दगु वचुना वि श्रीमृगस्कलि

१ जू ४ न व जू ४ अ। गि नि सा हि न कू सु भ व न न नू॥ ॥ न
मा मि न मा मि ग्री वा ग म ति ति (थे रु दि न दे वी ग्री ख गे न नार
ज त्म ज त्म मा दू दा य नि य न मा मि सि हि च कू श्व ना॥ ॥ गुरु ॥ ॥
४४॥ ॥ **ना ग र न वि** ॥ न म दू का नू द द रु ध नू २ स च्छु यि ग त्वः
उ गान म नू ॥ न ना दू २ न ना दू न न ना दू २ ध व ल गुरु सी द रु ध नू
माल द गुरु स्व य का ल्म स नू ॥ न ना दू २ न न ना दू ॥ **ध** ॥ द द आः
लि ग द थ ग ध नू २ द द व ज द मू नू डाम नू वा ॥ न ॥ **ध** ॥ मा या
वि द रु ख लान जी (ग २ सा हि री व ज स त्व य ल भ ग्व नी ॥ **ध** ॥ ॥

१०
नमो भगवते वासुदेवाय

नागारुलवि॥ नमामि श्रीचतुमाहाभारवनदवाधुमलतियाः
यरुयहलन्य२ऊगतयालिगुभनरुवरखहननमात्रलियुक्त
दनसरुहलना॥ दू२ धलनिमहुलडुयलित्रविभसिमहेल
जानूयादनस्यञ्चनविना॥ गर्जघनकिमूर्तिनिनवर्धनाका
निविदिघनकारतिलाकविना॥ दहिनिखेगडुआतिविजान
नगिरुवहाकीयिनसुनै२नगुजनिरुतैभगतियासधनइस्का
दिदूषनिर्वधकनदी॥ ५॥ अतिधाषनादिननादरुयकन
तिलाचटागिभाककनदी२दूषखउगवाहा नमालवलनास

वदभादिगामानसुगामाकल्लर्षी॥ **क**॥ यस्मिन्मथगतं न न
सहं न न विद्यत विनामनमचलविना॥ अतिमध्यमेमादि
वदसमगता न नयियत्रुमादिवजगुत्रुममनना॥ ध्रु॥

१ वागना त॥ गालमोय॥ धामका नमत्रुवाधिया व॥ सिद्धाश्रीः
वैधुदरुनल देव॥ ध्रु॥ नमामिगीला कश्चिजुवदमथा॥ कः
लनामयगतदधाली॥ अ॥ हविदत्रुका॥ द्वादिगया व॥ नागय
रुगुनवादिगयल्लो॥ अ॥ उस्मरुका लं नयायद्वल॥ वाधिवि
दद्वरुयद्वे॥ अ॥ उस्वावगिरुवनेवममगव॥ धी॥ लाः

१ वागना त॥ गालमोय॥ धामका नमत्रुवाधिया व॥ सिद्धाश्रीः

कश्चिजुवदमथा॥ क॥ नागय रुगुनवादिगयल्लो॥ अ॥ उस्मरुका लं नयायद्वल॥ वाधिवि

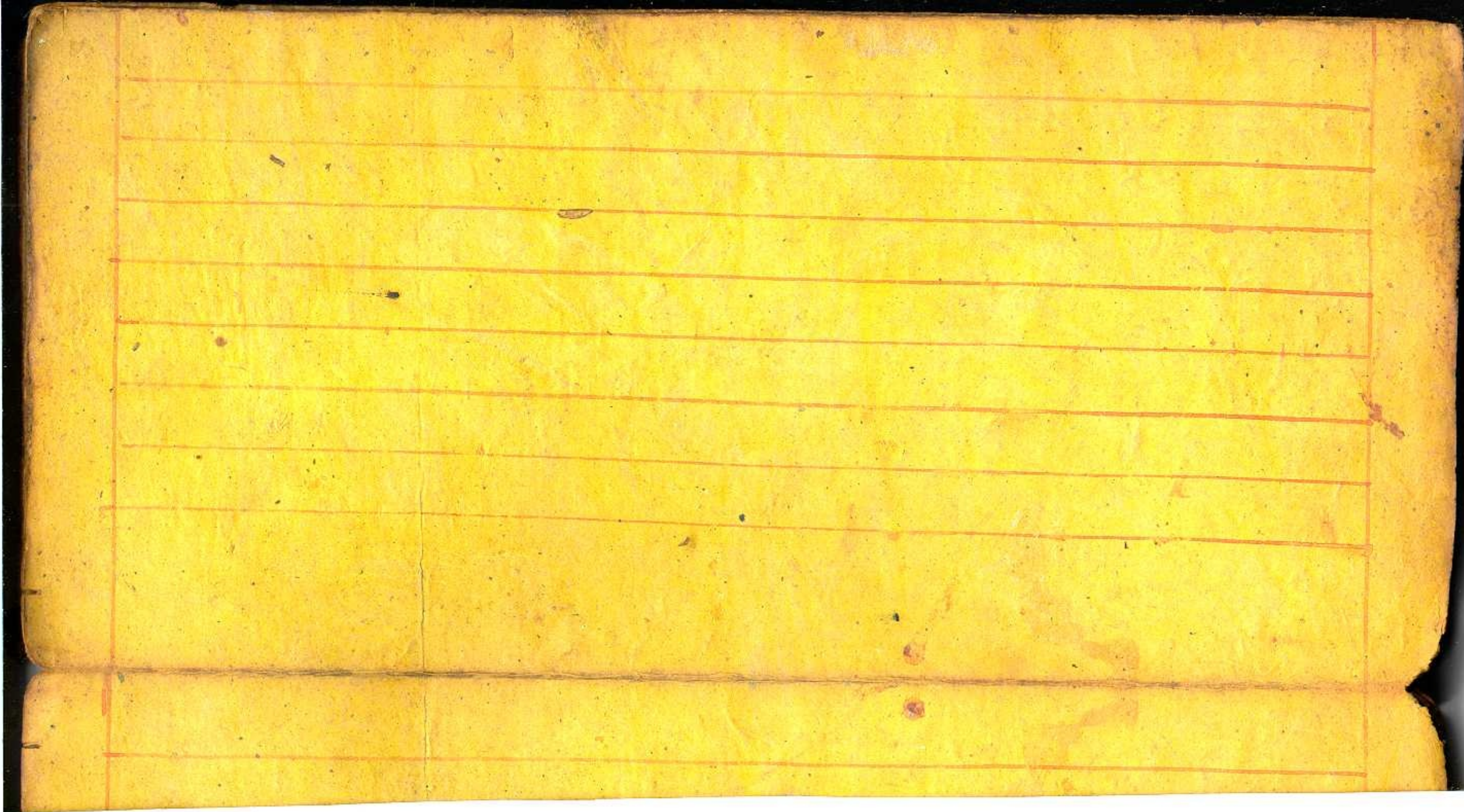
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कञ्चनजलमज्जमेव(॥५॥) नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
किञ्चनजलमज्जमेव(॥५॥) नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मिश्रितं चक्षुः, जिह्वं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कञ्चनजलमज्जमेव(॥५॥) नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
धीदामि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वज्रया वि. नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वासुदेव, नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

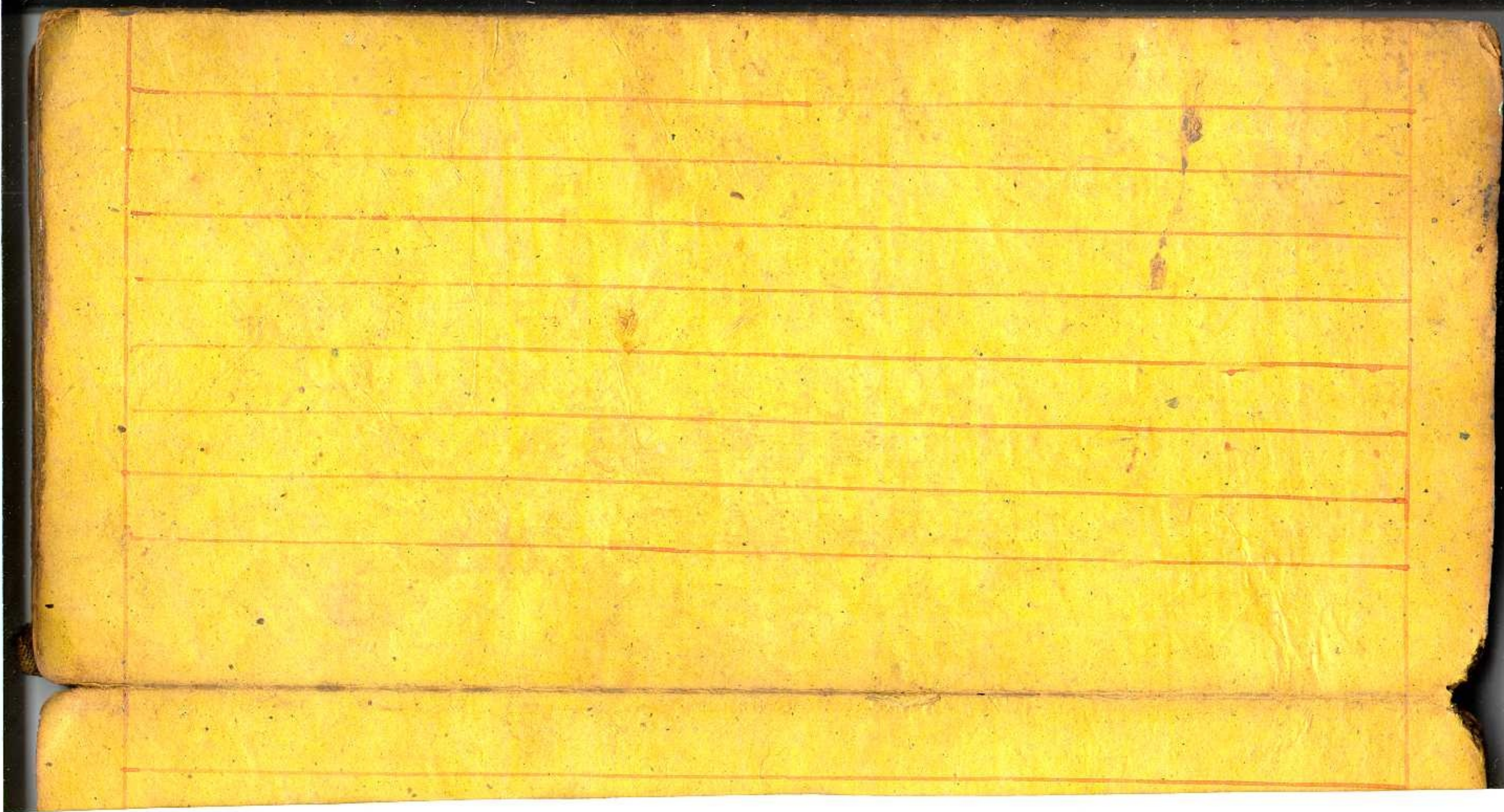
मूनिष्ठा जथायाया वा. र ग व नि. श्री व सं ध्म नि. दा वि द्दुः ख य दा
स ॥ ॥

संपूर्णं सर्वज्ञगणं मनोवधरुतं सर्ववन्द्यजिह्वापीत्वा सर्वविकल्पकमाह नरकं ॥ ७ ॥ किं
नीलवृक्षानां जिह्वा रुचकं पवित्रं तं जिह्वागुह्यं नृणां नृणां दायं भाग्यं पदं ॥ ८ ॥ तस्यां
तस्य किं यादृशं वृत्तिं विदुः मनसा नित्यं प्रसंगं संगीतं ॥ ९ ॥ ॥ ७ ॥

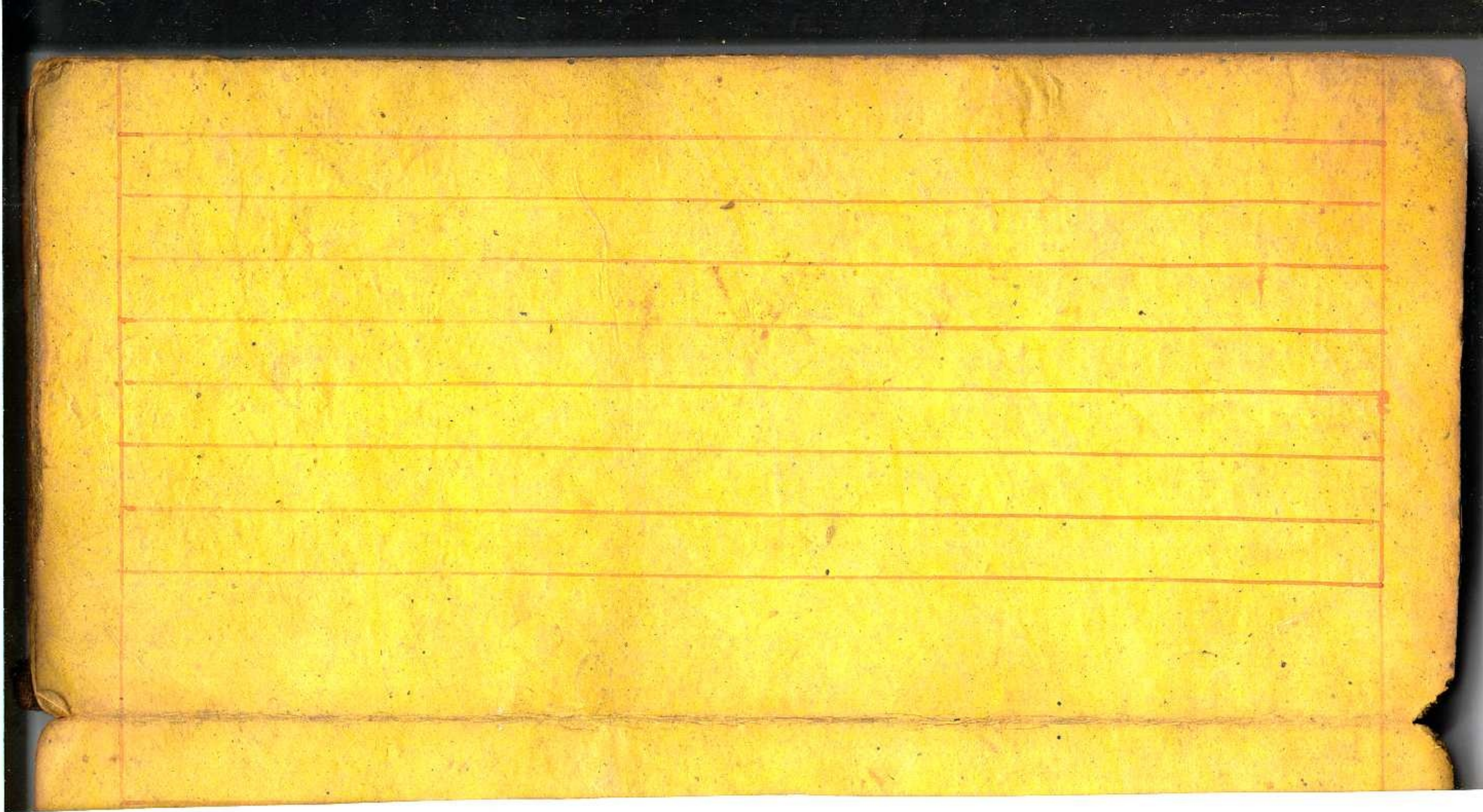
ॐ यच्छक्तालरुक्ता नकाय पाता नूद्य नमः॥ यश्च नासयाय॥ ॐ सिद्धिनातं नवनाय हं रुद्रं स्वाहा॥
ॐ यश्च नाटं नवनाय हं रुद्रं स्वाहा॥ ॐ नृत्यनाटं नवनाय हं रुद्रं स्वाहा॥ ॐ गीनात तमाय हं रुद्रं
स्वाहा॥ ॐ दं वृ नं नवनाय हं रुद्रं स्वाहा॥ यच्छपवा लपूजा॥ नाश्वा॥ दधवा दना॥ मनुतय्या॥
ॐ वृषा सनं॥ शशिधनगीनीजाधिनाथं॥ व्याघ्रतिनवनधनं॥ गीवीकानकूर्कं॥ रक्षाना वयपनम
हं संखरुवीस्व मुक्ति॥ नातं नवनां सकलसिद्धि कर्तुं नमामि॥ तालदमूगपूजा॥

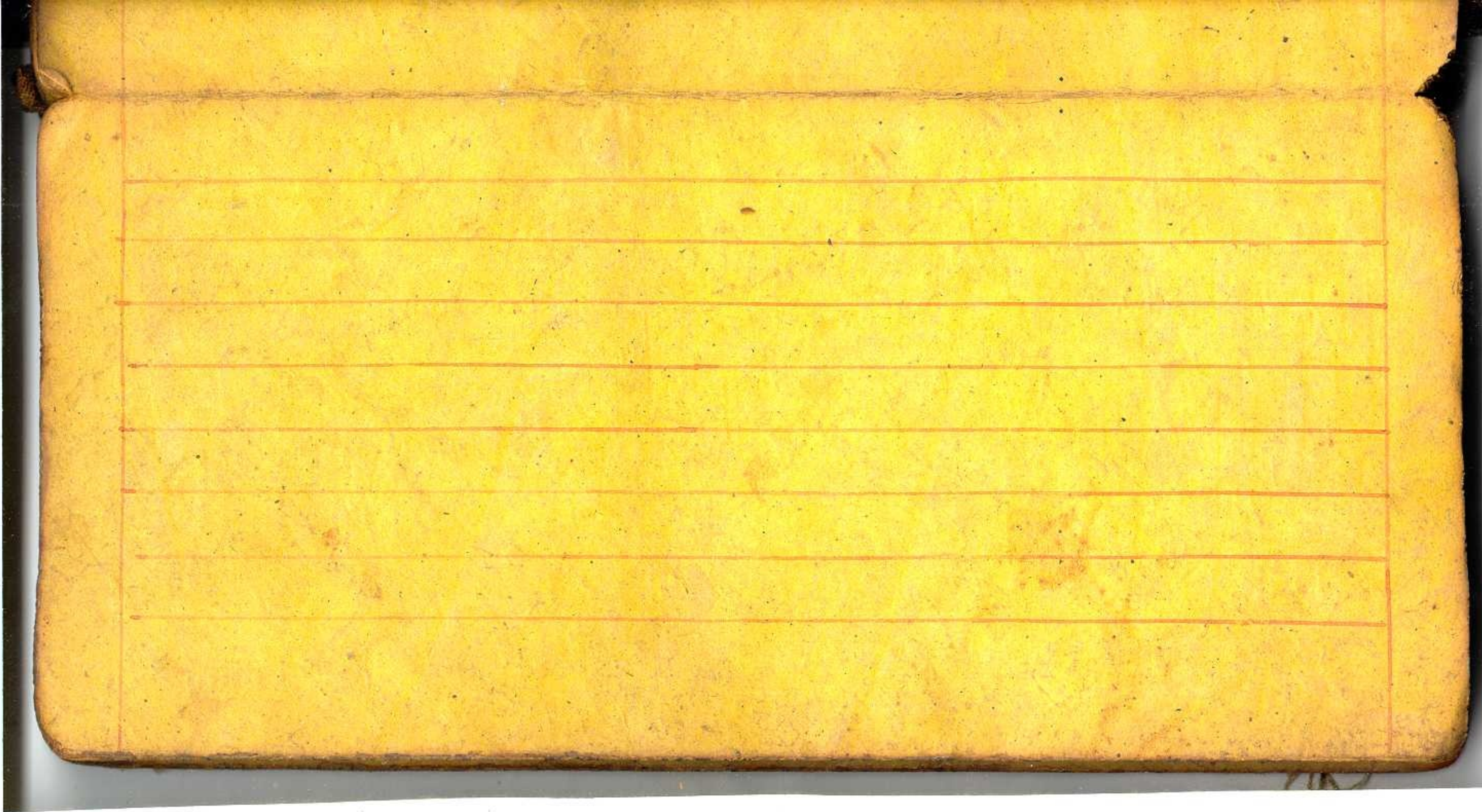








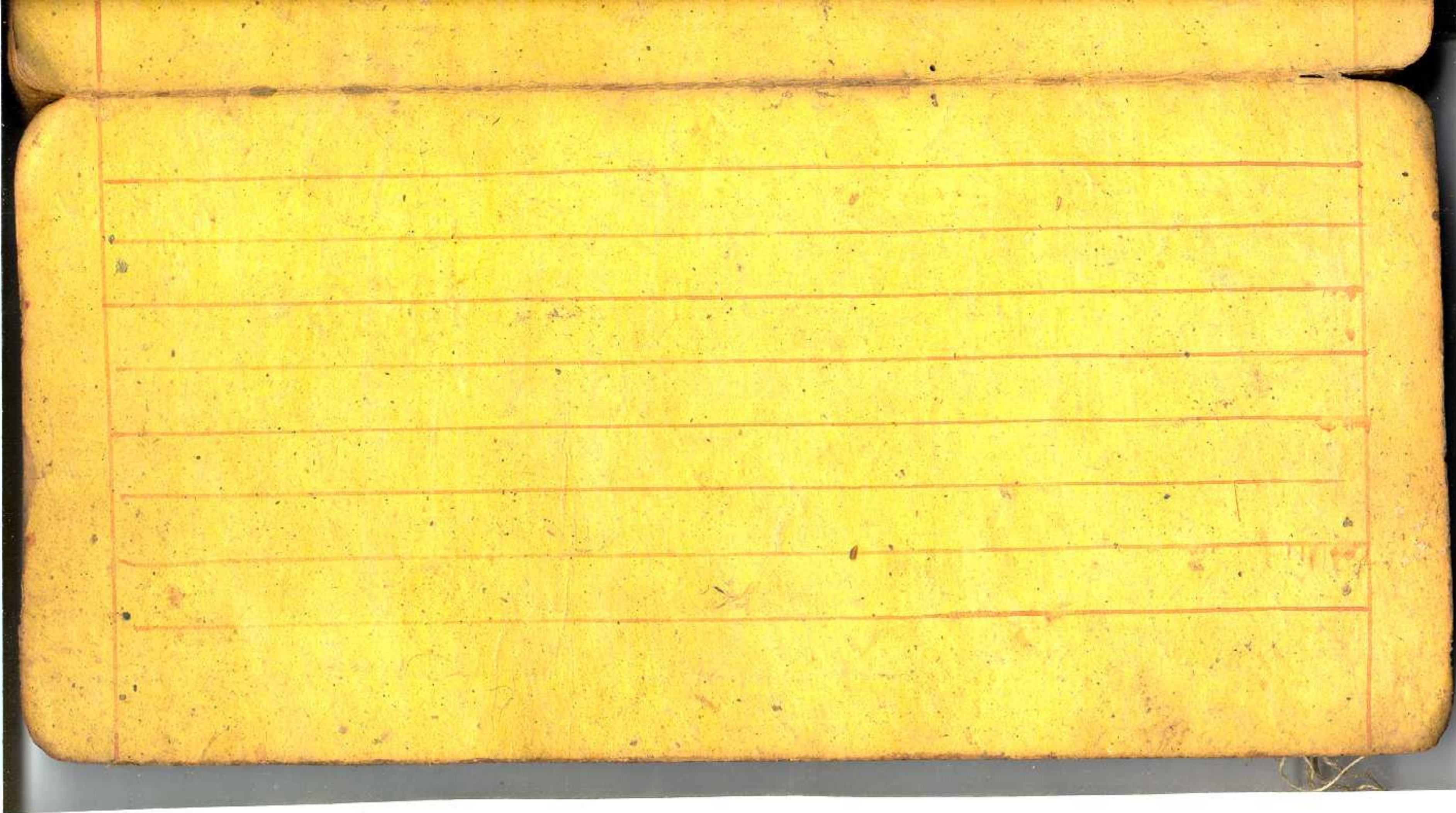


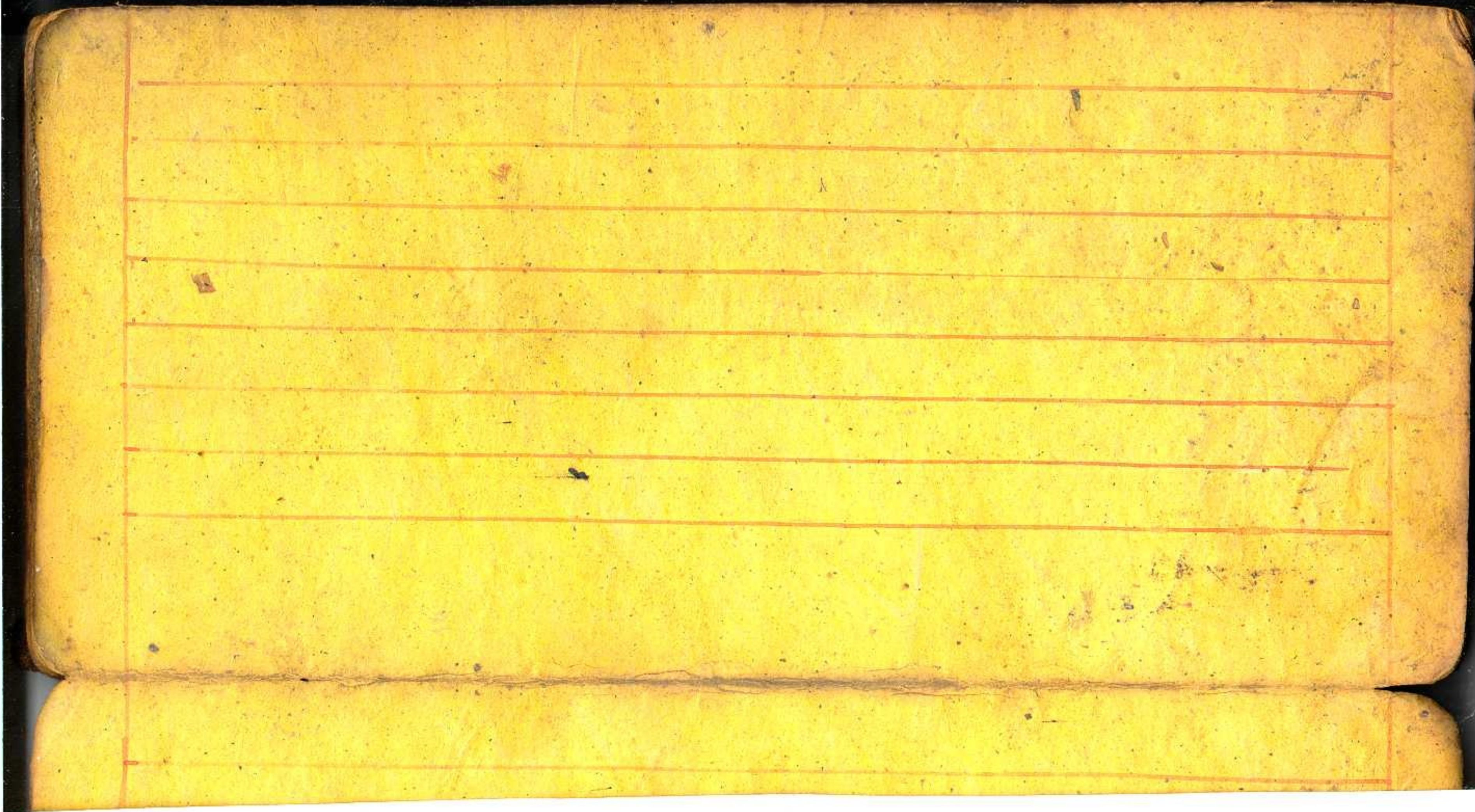














विद्वान्कमलम् ॥ २ ॥ विद्वान्कमलम् ॥ २ ॥ विद्वान्कमलम् ॥ २ ॥

१ विद्वान्कमलम् उदयमिधुवनसंस्कारायः मना दालादविः प्रीतिरुवनः स्व
नीः प्रीतिरुवनः व्यापिता श्रुता अपमदिनः श्रुतीः उदयस्त्रयः ॥ २ ॥ विद्वान्
हं कान्तमस्मदसुस्मिन् यत्र भस्वनी, ७३ स्वाङ्गितरुवनः स्वस्मिन्मा रवर्यं कृतं
७३ रुमं गलरु वरु ॥ ६७ ॥ विद्वान्कमलं यात्रा र्गमात्रा इत्या ७३ रु ॥ ७३ ॥ ७३ ॥
१ सुदुःखसुखाः राजमात्रा ॥ गृखा र्गनीयं परिदूः खवा निमनः खमात्रः स्व
स्वो ७३ नि ७३ नं निरु ॥ २ ॥ ७३ ७३ यत्र न सुदुःखा वतनः ददियसादा यत्र
माथः स्त्री ॥ ६७ ॥ १ विद्वान्कमलं धनिर्याः राजमात्रा ॥ उद्वान् न्याथमना स्त्रमूनि
गेनाः गलना जेन निलयं विः विरु वर्यं नि किनकीः रिनय
मना स्त्रमूनि गलना स्त्रमूनि ॥ ६७ ॥ १ धना श्या राजमात्रा ॥ ॥ प्रकदन्

वदन् वसः शः लखु फरु र्गन सवया माः न वा दल र्गल मूखा विनूः
गीतं परिमनः श्या गल न सव्यं ॥ ६७ ॥ १ धना श्या राजमात्रा ॥ ॥ प्रकदन्

॥ १५ ॥ धनाष्टा नमो ना ॥ ॥ प्रकदन्

वद न व सं राः लखू क रु र्म रु न सं व या माः न वा द ल र्म ल मू खा वि नू धोः
 शा नं प त्रि म तः शा ग ल श सूर्य ॥ १० ॥ न वा क नः ग ज मू ख या ना ज मा न
 १ ना ग वि रा म ॥ ॥ ११ ॥ शी ख लुः शी न शि ख नः शि ख प षा वा हाः मा तं
 ग मू किः क कृ ता रु म रु न व रि ॥ १२ ॥ अ कृ षा व न्द न न रा ४ ग व नी ल
 उ र्ग मा ग स तिः व ल य मू क र नी ल क ति ॥ १३ ॥ ध न ध न याः ना ज मा ना ३ ना
 १ ना ग वि रा म ॥ ॥ ला कार् ल वि काः ज न स यु सार्कः प क्क स वा यू स म ता व म
 य ॥ १४ ॥ हा न व य र्ग रुः ध न श नि र्गः आ न न्द य र्म प ति र्ग रु रा व ॥ १५ ॥
 १ ना ग ज व द जि वि ॥ न ना मू का का र्क य थं य ति द्वाः भा पा द य रिः मृ दू प षा
 त र्ग ॥ १६ ॥ उ न र्म तः पु त्रि न दृ वि वा र्गः श मी जि का र्ग लू क ति य दि
 र्ग ॥ १७ ॥ च कि पू द ल या ना ज मा ना ॥ १८ ॥